जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, गुरुवार 15 जनवरी, 2026

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

युवाओं में विश्वास जगाती सरकार की पहल

युवाओं को रोजगार सबसे ज्यादा ज्वलंत मुद्दा होता है और राजस्थान की सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक पहल करते हुए साल के पहले माह में ही पूरे साल का सरकारी कार्यालयों की भरती का कैलेण्डर जारी कर युवाओं को सकारात्मक संदेश दे दिया है। नौकरियों की तलाश में जुटे युवाओं को सालाना कैलेण्डर जारी होने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां करना आसान हो जाएगी क्योंकि उन्हें पहले से ही मालूम हो सका है कि किस माह में किन–किन सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती परीक्षाएं आयोजित होगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सरकार द्वारा भर्ती एजेंसियों के माध्यम से एक लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें सभी तरह के पद शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की युवाओं के भविष्य के प्रति सोच का ही परिणाम है कि सरकार ने साल भर में भरे जाने वाले एक लाख पदों की भर्ती ना केवल सुनिश्चित कर दी अपितु सभी एक लाख पदों को भरने का सालाना कैलेण्डर जारी करके सरकार की मंशा को स्पष्ट कर दिया है। सबसे खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए भर्ती प्रक्रिया में कामकाज संभालते ही ध्यान देना शुरु किया और लगातार भर्ती प्रक्रिया जारी रखने के साथ ही समय समय पर कार्यक्रम आयोजित कर नियुक्ति पत्र दिए जाते रहे हैं। इससे युवाओं में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। अन्यथा इससे पहले जिस तरह से एक के बाद एक भर्ती प्रक्रियाएं लगातार प्रश्नों के घेरे में आती रही है और हालात यहां तक पहुंच गए कि भर्ती करने वाली संस्थाएं खासतौर से राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन की विश्वसनियता ही सवालों के घेरे में खड़ी हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पूर्ववर्ती सरकार के दौरान भर्ति परीक्षाओं में व्यापक स्तर पर हुई गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य को देखते हुए तत्काल एसओजी के हवाले जांच कराने के बाद एक के बाद एक नित नए कारनामें और नाम उजागर होने लगे हैं। भर्ती परीक्षाओं में इस तरह की धांधलियां जहां युवाओं में घोर निराशा का कारण बनती गई वहीं सरकार की विश्वसनीयता भी संदेह के घेरे में आ गई। इस बात के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार की तारीफ करनी होगी कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक भी भर्ती परीक्षा संदेह के घेरे में नहीं आई। इससे युवाओं में भी विश्वास जमा है और वे यह मानने लगे हैं कि उनके साथ कसी तरह का छलावा नहीं होगा। परीक्षाओं को लेकर जो अविश्वास का कोहरा छाया था वह भी धीरे धीरे छट गया है।

> **युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की चिंता और गंभीरता इसी से स्पष्ट हो गई है कि सरकार ने भर्तियों का मासिक कैलेण्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने युवाओं के हित की अनेक रोजगारपरक कौशल विकासपरक नीतियां लागू कर दी है। स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में युवाओं को भी भविष्य को दिशा देने के प्रयास करने चाहिए।**

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं हो सकता। होना भी नहीं चाहिए। कितनी मेहनत से युवा नौकरी के लिए परीक्षा की तैयारी में जुटता है और फिर परीक्षा के बाद जब पेपर आउट होने या अन्य तरह की गलत गतिविधियों के कारण पूरी परीक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगता है तो युवा किस मानसिकता से गुजरते हैं वह कल्पना से परे की बात है। परीक्षाओं में शुचिता अनिवार्य मांग है और उसे परीक्षा कराने वाली संस्था को बनाए रखना ही चाहिए। जिस तरह से आरपीएससी संदेह के घेरे में आई और जिस तरह से आरपीएससी के सदस्य के कारनामें उजागर हुए उससे ना केवल युवाओं के सपने नष्ट हुए अपितु सरकार की फजीहत में भी कोई कमी नहीं रही। इसके साथ ही मेहनती और जरुरतमंद युवाओं पर तो एक तरह से आकाशीय बिजली गिरने जैसे हालात ही हो गए। हांलाकि इस तरह के घटनाएं कई प्रदेशों में हुई पर जिस तरह से राजस्थान की साख खराब हुई वह अपनेआप में गौर करने लायक रही है।

साल की शुरुआत में ही प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी कर दिया जाता है तो युवाओं को किस परीक्षा में बैठना है और किस तरह की तैयारी करनी है उसका समय रहते रोडमैप तैयार हो जाता है। इसके अलावा युवाओं में एक विश्वास बनता है कि सरकार द्वारा इस साल इतने पदों के लिए भर्ती की जाएगी। प्यरीक्षा का संभावित समय भी पूर्व निर्धारित होता है तो फिर इससे परीक्षा की तैयारी करना भी आसान हो जाता है। इसके साथ ही पक्ष–विपक्ष का भर्ती करने नहीं करने के विवाद का भी कोई मायना नहीं रह जाता है।

प्रतियोगी परीक्षा के साथ ही उसकी पारदर्शिता महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार परीक्षाओं की शुचिता व पारदर्शिता को लेकर युवाओं में विश्वास जमाने में सफल रही है। अब प्रतियोगी परीक्षाओं की आयोजन संस्थांए चाहे वह आरपीएससी हो या अधीनस्थ भर्ती बोर्ड दोनो को भी अपनी विश्वसनीयता कायम करने और कायम रखने के ठोस प्रयास करने होंगे। क्योंकि जिस तरह से इन संस्थाओं के अस्तित्व और गरिमा को बनाएं रखने पर खास ध्यान देना होगा। सरकार ने अपना काम कर दिया है। युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की चिंता और गंभीरता इसी से स्पष्ट हो गई है कि सरकार ने भर्तियों का मासिक कैलेण्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने युवाओं के हित की अनेक रोजगारपरक कौशल विकासपरक नीतियां लागू कर दी है। स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में युवाओं को भी भविष्य को दिशा देने के प्रयास करने चाहिए। जो युवा अपने कौशल को स्वरोजगार, एमएसएमई या लघु घरेलू उद्योग लगाने में रुचि रखते है तो उन्हें सरकारी नौकरी के स्थान पर एंटरप्रोन्योर बनने की दिशा में भी प्रयास करने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 15 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 5:48 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:38 तक, तैतिल करण रात्रि 8:17 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज मंगल मकर राशि में रात्रि 4:28 से प्रवेश करेगा। आज थल सेना दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:17 से 12:36 तक, लाभ–अमृत 12:36 से 3:13 तक, शुभ 4:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:51

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में आज शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग/परामर्श मिल सकता है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

''मकर संक्रांति'' सूर्य संवत्सर का सबसे पावन महत्वपूर्ण दिन

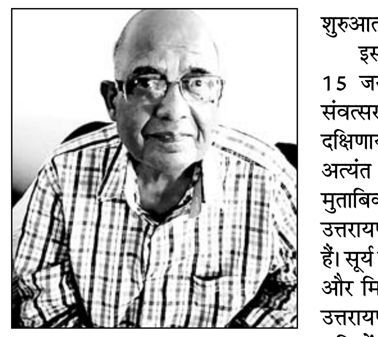

डॉ. जे.के. गर्ग

सूर्य को भारत के ऋषि मुनियों ने निर्विवाद रूप से जड़ चेतन की आत्मा माना है। भारतीय काल चक्र सूर्यकी गति के मुताबिक ही चलता है। सूर्य का संक्रमन लगातार काल प्रवाह का परिचायक है। भारत में सोर संवत्सरको राष्ट्रिय मान्यताप्रदान की गई है वहीं सोर संवत्सर का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण दिन मकर संक्रान्ति को माना गया है। संक्रांति का मतलब है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में गमन करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि के अंदर प्रवेश करता है। इसी वजह से इस संक्रांति को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि में प्रवेश करते हैं, वैसे तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य व शनि में शत्रुता बताई गई है लेकिन इस दिन पिता सूर्य स्वयं अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं तो इस दिन को पिता पुत्र के तालमेल और प्रेम मिलाप के दिन और पिता–पुत्र में नए संबंधों की शुरुआत के दिन के रूप में भी देखा गया है।

पुराणों के अनुसार भगवान राम के पूर्वज एवं मां गंगा को धरती परलाने वाले राजा भगीरथ ने इसी दिन अपने पूर्वजों का तिल से तर्पण किया था और तर्पणके बाद गंगा इसी दिन सागर में समा गई थी और इसलिए इस दिन गंगासागर में मकरसंक्रांति के दिन विशाल धार्मिक मेला भरता है। मकरसंक्रान्तिके पावनदिन पर लाखों न्र नारी गंगासागर में स्नान करके पुण्य लाभप्राप्त करते हैं। मकर संक्रांति के दिन ही दिन भगवान विष्णु ने असुरों का संहार करके असुरों के सिर को मंदार पर्वत पर दबा कर युद्ध समाप्ति की घोषणा कर दी थी। इसलिए मकर संक्रांति को बुराई पर अच्छाइयों और असत्य पर सत्य के रूप में मनाते हैं। मकर संक्रांति को नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की शुरुआत के रूप में भी मनाया जाता है।

इस साल मकर संक्रांति 14 और 15 जनवरी को मनाई जाएगी। सोर संवत्सर में मकरसंक्रांति में सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण तक का सफर अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता के मुताबिक सनातन धर्मी हिन्दू सूर्य के उत्तरायण काल में ही शुभ कार्य करते हैं। सूर्य जब मकर, कुंभ, वृष, मीन, मेष और मिथुन राशि में रहता है तब इसे उत्तरायण कहते हैं। वहीं, जब सूर्य बाकी राशियों सिंह, कन्या, कर्क, तुला, वृश्चिक और धनु राशिमें रहता है, तब इसे दक्षिणायन कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार उत्तरायण देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन देवताओं की रात होती है। जितने समय में पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाती है उसी अवधि को सौर वर्ष कहते हैं। पृथ्वी का गोलाई में सूर्य के चारों ओर घूमना क्रान्ति चक्र कहलाता है। इस परिधि चक्र को बाँटकर बारह राशियाँ बनी हैं। सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रान्ति कहलाता है। मकर संक्रांति के दिन यज्ञ में दिया हव्य को ग्रहण करने के लिए देवता धरती परअवतरित होते हैं। मकर संक्रांति का त्यौहार सम्पूर्ण सृष्टि के लिए ऊर्जा के स्त्रोत भगवान सूर्य की आराधना के रूप में मनाया जाता है।

उत्तरायण में इसी मार्ग से पुण्यात्माएँ शरीर छोड़कर स्वर्गआदि लोकों में प्रवेश करती हैं। सनातन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक इस दिन पुण्य, दान, जपत था धार्मिक अनुष्ठानों का अत्याधिक महत्त्व है और इस दिन किये गये दान पुन्य से उन्हें सौ गुणा ज्यादा फल प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि सूर्य के उत्तरायण में आने पर सूर्य की किरणें पृथ्वी पर पूरी तरह से पड़ती है और यह प्रथ्वी प्रकाशमय हो जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार 21–22 दिसंबर के आसपास से ही दिन का बढ़ना शुरू होता हैं।

इसलिए वास्तविक शीतकालीन संक्रांति 21 दिसंबर या 22 दिसंबर जब उष्णकटिबंधीय रवि मकर राशि में प्रवेश करती है इसलिए वास्तविक उत्तरायण 21दिसंबर को होता है। यही मकर संक्रांति की वास्तविक तारीख भी थी। एक हजार साल पहले मकरसंक्रांति 31 दिसंबर कोमनाया गया था वर्तमान समय में साधारणतया 14जनवरी को मकर संक्रांति बनाई जाती है। वैज्ञानिक गणनाओं के अनुसार पांच हजार साल बाद मकर संक्रांति का पर्व फरवरी के अंत तक हो सकता है, जबकि 9000 वर्षों बाद में यह जून में आ जाएगा।

खगोलीय अवधारणा के मुताबिक सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने को मकर संक्रांति कहा जाता है। दरअसल हर साल सूर्य का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश 20 मिनट की देरीसे होता है। इस तरह हर तीन साल के बाद सूर्य एक घंटे बाद और हर 72 साल एक दिन की देरी से मकर राशि में प्रवेश करता है। इस तरह 2080 के बाद मकर संक्रांति 16 जनवरी को पड़ेगी। इसी संदर्भ यह उल्लेखनीय है कि राजा हर्षवर्धन के समय में यह पर्व 24 दिसंबर को पड़ा था। मुगल बादशाह अकबर के शासन काल में 10 जनवरी को मकर संक्रांति थी। शिवाजी के जीवन काल में यह त्योहार 11 जनवरी को पड़ा था। मकर संक्रांति के दिन भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों यथा प्रयाग, हरिद्वार, वाराणसी, कुरुक्षेत्र, गंगासागर, पुष्कर आदि में पवित्र नदियों गंगा, यमुना आदि में करोडों लोग डुबकी लगा कर स्नान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि वरुण देवता इन दिनों में यहां आते हैं। यह भी माना जाता है कि उत्तरायण में देवता मनुष्य द्वारा किए गए हवन,यज्ञ आदि को शीघ्रता से ग्रहण करते हैं। अथर्ववेद में इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि दीर्घायु और स्वस्थ रहने के लिए सूर्योदय से पूर्व ही स्नान शुभ होता है। ऋग्वेद में ऐसा लिखा है कि हे सूर्योदय से पूर्व ही स्नान करने से भास्कर देव हमारे वात, पित्त और कफ से पैदा होने वाले रोगों को समाप्त करते हैं। मकर संक्रांति माघ माह में आती है। संस्कृत में मघ शब्द से माघ निकला है। मघ शब्द का अर्थ होता है धन, सोना–चांदी, कपड़ा, आभूषण आदि इसलिए इन वस्तुओं के दान आदि के लिए ही माघ माह उपयुक्त है। ईसी वजह से मकर संक्रांति को माघी संक्रांति भी कहते है।

मकर संक्रांति को देश में कई अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे तिल संक्रांति, खिचड़ी संक्रांति एवं माघ संक्रांति। पंजाब और जम्मू कश्मीर मे संक्रांति के एक दिन पूर्व में लोहड़ी मनाई जाती है। लोग घर–घर जाकर लकडिय़ां एकत्रित करते हैं और फिर लकड़ियों के समूह को आग के हवाले कर मकई की खील, तिल व रेवड़ियों को अग्नि देव को समर्पित करके प्रसाद के रूप में सबमें बाटते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में मकर संक्रांति को 'खिचड़ी' के नाम से मनाया जाता है।

इन प्रदेशों के अंदर कहीं खिचड़ी बनाई जाती है तो कहीं जगह दही चूड़ा और तिल के लड्डू बनाए जाते हैं। मध्य प्रदेश में इस त्योहार पर परिवार के बच्चों से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली–डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में मकर संक्रांति के दिन लोग अपने घर के सामने आकर्षक रंग बिरंगी रंगोली अवश्य बनाते हैं। फिर एक–दूसरे को तिल–गुड़ खिलाते हुए आपस में कहते हैं तिल और गुड़ खाओ और फिर हमेशा मीठा–मीठा बोलो। असम में माघ महीने की संक्रांति के पहले दिन से माघ बिहूयानि भोगाली बिहू पर्व मनाया जाता है। भोगाली बिहू के मौके पर खान–पान धूमधाम से होता है। इस समय असम में तिल, चावल, नरियल और गन्ने की फसल अच्छी होती है। इसी से तरह–तरह के व्यंजन और पकवान बनाकर खाये और खिलाये जाते हैं।

भोगाली बिहू पर भी होलिका जलाई जाती है और तिल व नरियल से बनाए व्यंजन अग्नि देवता को समर्पित किए जाते हैं। भोगली बिहू के मौके पर टिकुली भोंगा नामक खेल खेला जाता है साथ ही भैंसों की लड़ाई भी होती है।

राजस्थान, गुजरात में संक्रांति को पंतग बाजी के पर्व के रूप में मनाया जाता है राजस्थान,गुजरात मे इस दिन आसमान पतंगो से ढक जाता है। लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तोऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाइयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले–शिकवे भूलकर एक–दूसरे की पतंगों के पेच लड़ा रहे हैं। केरल में भगवान अयप्पा की निवास स्थली सबरीमाला की वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि मकर संक्रांति के दिन ही समाप्त होती है, जब सुदूर पर्वतों के क्षितिज पर एक दिव्य आभा 'मकर ज्योति' दिखाई पड़ती है। कर्नाटक में भी फसल का त्योहार शान से मनाया जाता है।

बैलों और गायों को सुसज्जित करने की शोभायात्रा निकाली जाती है। नये परिधान में सजे नर–नारी, ईख, सूखा नारियल और भुने चने के साथ एक–दूसरे का अभिवादन करते हैं। मकर संक्रांति फसलों की कटाई का त्यौहार नई फसल और नई ऋतु के आगमन के तौर पर भी मकर संक्रांति धूमधाम से मनाई जाती है। पंजाब, यूपी, बिहार समेत तमिलनाडु में यह वक्त नई फसल काटने का होता है, इसलिए किसान मकर संक्रांति को आभार दिवस के रूप में मनाते हैं।

खेतों में गेहूं और धान की लहलहाती फसल किसानों की मेहनत का परिणाम होती है लेकिन यह सब ईश्वर और प्रकृति के आशीर्वाद से संभव होता है। मकर संक्रांति से प्राप्त सुखी जीवन के नुस्खे मकर संक्रान्ति का पर्व हमे अपनी जिन्दगी को सुखी और खुशहाल बनाने के बारे में अप्रत्यक्ष रूप के अंदर अनेको सीख भी देता है। सूर्य आकाश में बहुत ऊँचाई पर है इसीलिये हमे भी जीवन के अंदर कुछ बड़ा काम करने के लिये हमकोऊची और बड़ी सोच रखनी होगी। सूर्य कीरोशनी से प्राप्त उजाला हमको सीख देता है कि ज्ञान से प्राप्त की गई सोच से हमारी सोच के अंदर स्पष्ट नजरिया उत्पन्न होता है जो हमें सफलता दिलाता है। संक्रांति के बाद मौसम मे बदलाव आता है और हमारे खान पान मे भी हम बदलाव करते है इससे सीख मिलती हैकि परिस्थिति में आए परिवर्तन के अनुसार हमें अपने–अपने को ढाल लेना चाहिये। परिवर्तन को स्वीकार करना लाजमी और फायदेमंद होता है। अपनी लीडरशिप क्षमता को कामयाब बनाने के लिये हमारी बोली में मिठास और विनम्रता का होना जरूरी है।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक मकर संक्रांति के दिन दिन सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि में प्रवेश करते हैं,वैसे तो ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य व शनि में शत्रुता बताई गई है लेकिन इस दिन पिता सूर्य स्वयं अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं तो इस दिन को पिता पुत्र के तालमेल और प्रेम मिलाप के दिन के दिन व पिता पुत्र में गुजरे दुश्मनी पूर्ण संबंधों की बजाय नये प्रेममय रिश्तों की शुरुआत होती है। इससे हमको यह सीख मिलती है कि हमें अपने जीवन मे आपसी रिश्तों को मजबूत बनाये रखना चाहिए यही सबसे बड़ी पूर्जी होती है। शुभ कामो की शुरुआत करने मे देरी नहीं करें। जीवन के अंदर जीत हार को अनावश्यक महत्व नहीं दें याद रखे एक असफलता दूसरी सफलता का दरवाजा खोलती है। सिर्फ सोचने से कुछ भी प्राप्त नहीं होगा आपको अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिये मेहनत करनी पड़ेगी।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज
डा जे. के. गर्ग

भारत में नववर्ष मनाने के नए ट्रेंड ने दुनिया को चौंकाया, पाश्चात्य की राह छोड़, आध्यात्म की ओर मुड़े लोग

मिश्रीलाल पंवार

इस वर्ष पूरे भारतवर्ष में नववर्ष मनाने के ट्रेंड ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। देश विदेश के लोग इस चैंज को सनातन के तेजी से बढ़ते प्रभाव के रूप में देख रहे हैं। यह पहला मौका था जब भारतीय जनमानस का बड़ा हिस्सा यकायक पाश्चात्य संस्कृति की तर्ज पर नववर्ष मनाने की बजाय आध्यात्म की ओर मुड़ता दिखा है। इस वर्ष भारत के हर तीर्थ स्थल पर नववर्ष मनाने वालों का सैलाब उमड़ पड़ा था। नए साल की शुरुआत आस्था और भक्ति के साथ करने के लिए बड़ी संख्या में लोग तीर्थ स्थलों पर पहुंचे और देवी–देवताओं के दर्शन–पूजन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसरों में सुबह से ही हर–हर महादेव,जय श्रीहरि, जय माता दी और जय बजरंगबली के साथ ही वाहेगुरु के जयकारे गूंजते रहे। हांलांकि कुछ लोगों ने पाश्चात्य परम्परा से भी नववर्ष मनाया, मगर ऐसे लोगों की संख्या इस बार बहुत कम रही। तीर्थ या धाम पर पर नववर्ष मनाने के बाद वापस लौट लोगों ने बताया कि तीर्थ पर जाकर भगवान के साथ नववर्ष मनाने का अद्भुत व अनोखा अनुभव रहा। जीवन में पहली बार परिवार के साथ देवदर्शन कर नववर्ष मनाया। इसमें अलग ही आनंद की अनुभूति हुई। उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता।

वैसे तो भारत के हर तीर्थ स्थल पर लोगों की भीड़ बनी रही मगर अयोध्या पहुंच कर भगवान राम के साथ नववर्ष मनाने का उत्साह चरम पर रहा। रामनगरी में अयोध्या में नव वर्ष 2026 की पहली सुबह भक्ति, विश्वास और उल्लास के रंग में रंगी नजर आई। नया साल लगते ही रामलला के दर्शन की अभिलाषा लेकर श्रद्धालुओं का जनसैलाब सरयू तट से लेकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी तक उमड़ पड़ा।धैर्य के साथ अपने आराध्य के दर्शन करते दिखे। कहीं भजन–कीर्तन की स्वर लहरियां थीं तो कहीं दीप–धूप के साथ आरती की दिव्यता ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रशासनिक अफसरों की मानें तो इस दौरान नववर्ष मनाने आठ लाख से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे।

नए सपनों, संकल्पों के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी में लोगों ने नए साल के पहले दिन का दिल खोलकर स्वागत किया। भोर से ही मंदिरों के कपाट खुलते ही जय श्रीराम के उद्घोष गूंज उठे। भीड़ का सर्वाधिक दबाव रामलला के दरबार और हनुमानगढ़ी में रहा। घंटों कतार में खड़े रहकर भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

इसी तरह हरिद्वार, काशी–विश्वनाथ, जगन्नाथ पुरी, प्रयागराज, माता वैष्णोदेवी मंदिर, महाकालेश्वर, सोमनाथ, द्वारका, पावागढ़, स्वर्ण मंदिर, भीमाशंकर, ओंकारेश्वर, रामेश्वरम, मदुरै, उज्जैन, नासिक, मथुरा–वृंदावन, तिरुपति और शिरडी सहित देश के हर तीर्थ स्थल पर नववर्ष मनाने वालों का सैलाब उमड़ पड़ा। नव वर्ष 2026 के नववर्ष आगमन पर अल सुबह से ही गयाजी शहर और आसपास के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। असम के गोहाटी में स्थित शक्ति पीठ कामख्या धाम पर भी लोगों की भारी भीड़ बनी रही।गुजरात के श्यामलाजी मन्दिर पर भी लोगों की अभूतपूर्व भीड़ रही।

राजस्थान भी इससे अछूता नहीं रहा। चुरू स्थित सालासर बालाजी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। यहां रात एक बजे मंदिर के पट खोले गए और दर्शन की अनुमति दी गई। खाटू श्यामजी मंदिर के कपाट खुले रखे गए ताकि श्रद्धालु निरंतर दर्शन कर सकें। यहां दस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने नववर्ष मनाते धोंक लगाई। पुलिस ने लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। रिंगस तथा खाटू के बीच 17 किलोमीटर के क्षेत्र को दो जनवरी तक वाहन निषेध क्षेत्र घोषित किया गया। जयपुर के गोविन्द देवजी के मन्दिर में भी भारी भीड़ बनी रही।

चित्तौड़गढ़ में स्थित सांवरिया सेठ मंदिर पर श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही पहुंचने लगे, वहीं बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ देखी गई।

इसी तरह, सवाई माधोपुर में हजारों श्रद्धालु त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। जिससे मंदिर तक जाने वाली सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुष्कर भी अछुता नहीं रहा। लोग अलग सुबह ही पुष्कर सरोवर में स्नान कर ब्रह्मा जी के मंदिर के दर्शन को पहुंचने शुरू हो गए। जो लोग तीर्थ स्थलों पर नहीं पहुंच पाए, वे अपने ही शहर के मन्दिरों पर पहुंचे तथा भगवान के दर्शन कर नववर्ष मनाया।

प्रतापनगर स्थित हनुमान शनिधाम के गाधिपति गोपाल महाराज का कहना है कि यह क्रांति यकायक नहीं आई है। देश के संतों की इसमें प्रमुख भूमिका रही है। पिछले कुछ समय में वृन्दावन के महान संत प्रेमानंद महाराज, देवकीनंदन ठाकुर, अनिरुद्धाचार्य महाराज, बागेश्वर धाम के श्री धीरेन्द कृष्ण शास्त्री, श्री रामभद्राचार्य महाराज, श्री इन्द्रेश उपाध्यक्ष तथा नीम करोली बाबा जैसे प्रखर संत महात्माओं ने सनातनी हिन्दूओं का जगाने में बहुत मेहनत की है। ये सभी संत महात्मा भारत संस्कृति के संवाहक है।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

मांडलगढ़ : बुजुर्ग भगवत सिंह के जुनून ने बंजर ज़मीन को बना दिया हरा–भरा जंगल

■ 50 बीघा एरिया के पेड़ पौधों की सिंचाई के लिए बोरिंग मोटर पंप के साथ ड्रिप सिंचाई संयंत्र लगाया

माण्डलगढ़, (निसं)। जहां लोग पेड़ काटकर ज़मीन को बंजर बना देते हैं, वहीं एक 62 वर्षीय बुजुर्ग भगवत सिंह (लाला बना) ने अपने जुनून, मेहनत और पर्यावरण प्रेम से बंजर भूमि को हरे–भरे जंगल में तब्दील कर दिया। यह प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जुड़ाव ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल भी है। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के सुरास ग्राम पंचायत के नाहरगढ़ गांव के बाहर सड़क किनारे वर्षों से भूमि पूरी तरह से बंजर पड़ी थी। न पानी था, न हरियाली और न ही हरियाली के कोई आसार थे। वर्ष 2021 में पर्यावरणप्रेमी नाहरगढ़ निवासी लाला बना ने बनास नदी के बजरी लीजधारक को प्रेरित कर बंजर पड़ी करीब 50 बीघा भूमि में तारबंदी कराई और पौधरोपण कराया। करीब एक साल बाद बजरी लीज अवधि समाप्त होने से चारागाह में पौधे सूखने लगे और उजाड़ होने लगा। नाहरगढ़ के रहने वाले बुजुर्ग लाला बना ने चारागाह की दुर्दशा को देख इसे विकसित करना अपनी ज़िंदगी का उद्देश्य बना लिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अकेले ही फल एवं फूलदार, छायादार करीब 2500 पौधे का पौधरोपण किया। ख़ुद के निजी टैंकर से दूर से पानी लाकर पौधों की पिलाई कर प्रतिदिन देख–रेख कर परवरिश की। शुरुआत में लोगों ने बुजुर्ग का मज़ाक उड़ाया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार मेहनत, नियमित देखभाल और प्राकृतिक तरीकों से संरक्षण का नतीजा यह रहा कि आज वही बंजर भूमि हजारों पेड़ों और पौधों से लहलहा रही है। जंगल

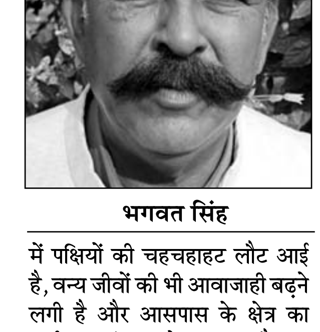

भगवत सिंह

में पक्षियों की चहचहाहट लौट आई है, वन्य जीवों की भी आवाजाही बढ़ने लगी है और आसपास के क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बेहतर हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बुजुर्ग पिछले कई 5 वर्षों से प्रतिदिन सुबह–शाम पौधों की देखभाल करते रहे। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण, प्राकृतिक खाद और देसी बीजों का उपयोग कर जंगल को विकसित किया। आज यह जंगल क्षेत्र के लिए ऑक्सीजन का बड़ा स्त्रोत बन गया है। इस वर्ष विकसित चारागाह के जंगल को उन्नत बनाने के लिए बोरिंग मोटर पंप के साथ ड्रिप सिस्टम का सिंचाई संयंत्र स्थापित किया गया हैं, जो प्रत्येक पौधे ओर पेड़ के तने में नियमित जलापूर्ति कर रहा हैं। इस विकसित चारागाह में विधायक गोपाल खण्डेलवाल, माण्डलगढ़ एसडीएम मनमोहन शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक एवं पर्यावरणप्रेमी बाबूलाल विश्नोई के साथ कई लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण बढ़ाने में भागीदारी निभाई हैं।

पर्यावरण प्रेमी लाला बना का कहना है कि विकसित चारागाह में पेड़–पौधों के साथ मवेशियों के हरि एवं सूखी घास भी उपलब्ध हो रही है, जो पशुपालन में उपयोग की जा रही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल साबित करती है कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो एक व्यक्ति भी बड़ा बदलाव ला सकता है। प्रशासन के अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने बुजुर्ग लाला बना के कार्य की सराहना करते हुए इसे जनआंदोलन बनाने की बात कही है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 74 प्रभात उदयपुर, गुरूवार 15 जनवरी, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को बाड़मेर के धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया।

राजनीतिक लाभ के लिए सीमांकन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जा रहा है- पायलट

सचिन पायलट ने गुड़ामलानी में विशाल आक्रोश रैली को संबोधित किया

गुड़ामालानी, 14 जनवरी (कासं)। धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने पूरे राजस्थान में पंचायतों को तोड़ने का काम किया है और कांग्रेस ने हमेशा जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार में आने पर कांग्रेस धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को वापस बाड़मेर जिले में शामिल करेगी।

बाड़मेर और बालोतरा जिले की सीमाओं में बदलाव को लेकर पायलट ने कहा कि सीमाओं में तोडफ़ोड़ जनता की राय लिए बिना की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमांकन की प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी रखने के बजाय, उसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आम जनता में भ्रम और असंतोष बढ़ रहा है। हमारे वरिष्ठ नेता हेमाराम चौधरी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ में प्रवेश करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री कार्यालय गुरुवार को साउथ ब्लॉक की बलुआ पत्थर की भव्य इमारत से निकलकर सैंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बने नए एक्ज़ीग्यूटिव कॉम्प्लैक्स ''सेवा तीर्थ'' में स्थानांतरित हो जा रहा है। यह कदम अतीत के स्थापत्य और कार्य संस्कृति से एक निर्णायक दूरी को दर्शाता है।

दशकों तक साउथ ब्लॉक सत्ता और पदानुक्रम का प्रतीक रहा। मोटी दीवारें, संकरे गलियारे और बंद कक्ष-यही सत्ता के संचालन की पहचान थे।

- सैंट्रल विस्टा प्रोजैक्ट के तहत बना ''सेवा तीर्थ'' भवन प्रधानमंत्री का नया कार्यालय है।

प्रवेश सीमित था, आवागमन व्यवस्थित था और निर्णय-प्रक्रिया भारी दरवाजों के पीछे सिमटी रहती थी। सेवा तीर्थ इस मॉडल से सुविचारित अलविदा का प्रतीक है।

नया प्रधानमंत्री कार्यालय खुले फ़्लोर डिज़ाइन पर आधारित है। बंद केबिनों के बजाय, अधिकारीअब साझा कार्यस्थलों में काम करेंगे, ताकि सहयोग और तेज़ समन्वय को बढ़ावा मिले। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह डिज़ाइन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सऊदी-अरब-पाकिस्तान-टर्की एक ''इस्लामिक नाटो'' संगठन बना रहे हैं?

इस गठबंधन का चिंतन कुछ चौंकाने वाला है, क्योंकि इसमें नाटो के संविधान की धारा पाँच की प्रतिध्वनि सुनाई देती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। तुर्की, कथित तौर पर, सऊदी अरब-पाकिस्तान के बीच बन रहे एक सुरक्षा ढाँचे में शामिल होने को लेकर बातचीत कर रहा है। यह नया सुरक्षा ढांचा नाटो जैसा सामूहिक रक्षा व्यवस्था वाला संगठन होगा। प्रस्तावित समझौता कथित तौर पर नाटो के अनुच्छेद 5 के सिद्धांत जैसा है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है। भले ही यह पहल अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह क्षेत्रीय सुरक्षा सोच में एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है और इसने नई दिल्ली का ध्यान आकर्षित किया है।

भारत के लिए यह घटनाक्रम भविष्य के लिए चिंता का विषय है, हालांकि तत्काल रूप से अस्थिरता पैदा करने वाला नहीं है। किसी नए ''इस्लामिक नाटो'' के औपचारिक गठन में तो इसका महत्व कम है, किन्तु रणनीतिक संकेतों में और इसकी

- धारा पाँच के अनुसार, नाटो के किसी सदस्य पर हमला, नाटो के सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य मिलकर इस हमले का जवाब देंगे।
- सऊदी अरब इस ''इस्लामिक नाटो'' के जरिए वॉशिंगटन पर अपनी निर्भरता से आगे बढ़ कर समानान्तर विकल्प विकसित करना चाहता है।
- सऊदी अरब सदा पाकिस्तान से मैत्री व भारत से गहराते इकॉनॉमिक संबंधों के बीच संतुलन बैठाता रहा है। सऊदी अरब, भारत को अपने ऑयल का बड़ा खरीददार व अपनी पूँजी निवेश करने का उपयुक्त स्थान मानता है।
- टर्की का भी ''इस्लामिक नाटो'' से जुड़ना जरूर चिंता का विषय है, क्योंकि टर्की ''नाटो'' का पुराना सदस्य है, जिसे आधुनिक हथियारों व ड्रोन युद्ध का काफी अनुभव है। अतः टर्की का इस ''इस्लामिक गठबंधन'' से जुड़ना व पाकिस्तान के सैनिक सैटअप में सहयोग करना, जरूर दिक्कतें पैदा कर सकता है।

सम्मिलित सैन्य क्षमताओं में ज्यादा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.एम.एस. अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की एक और रिपोर्ट को हाई कोर्ट ने अस्वीकार किया

नीट यूजी-2025 की परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी रमन खण्डेलवाल की दिव्यांगता प्रतिशत को अधिक बताते हुए एस.एम.एस. डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड ने उन्हें डॉक्टरी की पढ़ाई करने व प्रैक्टिस करने से वंचित कर दिया था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 14 जनवरी। एक दिव्यांग अभ्यर्थी का अवैज्ञानिक, अनियमित और मनमाने तरीके से मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने का एक और मामला सामने आया है, जिसमें फिर से सवाई मान सिंह (एस.एम.एस.) अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड के अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

दरअसल, रमन खण्डेलवाल, जिन्होंने नीट यूजी-2025 की परीक्षा में दिव्यांगजन के लिए आरक्षित श्रेणी में स्थान पाने के लिए उपयुक्त अंक हासिल किए थे, लेकिन उनकी उम्मीदवारी इस कारण रद्द कर दी गई, क्योंकि नीट यूजी के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने अपने

- हाई कोर्ट की खण्डपीठ के आदेश के बाद रमन खण्डेलवाल की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में पुनः जांच हुई और पाया गया कि वह डॉक्टरी पढ़ने व प्रैक्टिस करने के लिए उपयुक्त है।
- पिछले कुछ महिनों में यह दूसरी बार है कि एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट अदालत में स्वीकार नहीं हुई है, और उसे अवैज्ञानिक और अनियमित बताया गया है, जो प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीयों को ईरान छोड़ने की सलाह

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। भारत ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और सरकार की कार्रवाई में मरने वाले लोगों की बढ़ ती संख्या के बीच, बुधवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है और तेहरान स्थित दूतावास में संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किये हैं।

- भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी की तथा कुछ हैल्पलाइन नम्बर भी जारी किए हैं।

यह परामर्श पांच जनवरी को जारी पूर्व चेतावनी के बाद जारी किया गया है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किये हैं। लोग दूतावास से मोबाइल नम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस घोषित किया

इस आंकड़ें से सभी देश स्तब्ध हैं, विशेषकर अमेरिका, क्योंकि ट्रंप ने चीन पर भारी टैरिफ लगाकर, चीन को घुटने पर लाने का प्रयास किया था

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से पूरी कोशिशों के बावजूद, 2025 में चीन ने अपनी औद्योगिक ताकत से न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया को पछाड़ दिया है।

चीनी व्यापार अधिकारियों ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के अभूतपूर्व ट्रेड सरप्लस की घोषणा की है। इससे यह साफ हो गया है कि चीन की वैश्विक बाजारों पर पकड़ और मजबूत हो गई है। लेकिन इसी के साथ दूसरे देशों की चिंता भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें अपनी आर्थिक सुरक्षा पर खतरा दिख रहा है और उनके उद्योग सस्ते चीनी निर्यात से दबाव में आ रहे हैं।

ट्रम्प के टैरिफ युद्ध के बावजूद, चीन के कुल आयात की तुलना में उसका ट्रेड सरप्लस ऐसा है, जैसे बॉक्सिंग में माइक टायसन का सीधा घूंसा डॉनल्ड ट्रम्प के चेहरे पर पड़ा हो। ट्रम्प ने चीनी निर्यात पर रोक लगाकर, चीन को अमेरिकी हाई-ट्रैक्नॉलजी उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए थे, ताकि चीन की आर्थिक ताकत

- चीन के अमेरिका को निर्यात में 20 प्रतिशत की गिरावट जरूर आयी, पर, चीन के अन्य देशों के निर्यात में भारी वृद्धि हुई, उदाहरण के लिए, इलैक्ट्रिक कारों के निर्यात में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।
- चीन ने पलटवार में अमेरिका को ''रेअर अर्थ खनिज'' की सप्लाई रोक कर ट्रंप को वाणिज्यिक युद्ध में आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया।
- चीन की वाणिज्यिक सफलता का राज, उसका अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ''मरकनटाइल सिद्धांत'' का अनुसरण करना है।
- ''मरकनटाइल सिद्धांत'' के अनुसार, आप अपने माल की कीमत नफे के कारण नहीं तय करते थे। आप बिक्री की दर, इतनी कम रखते हो कि माल बिके। इससे माल विश्व भर में फैल जाता है तथा अपना मार्केट बना लेता है। सरकार उद्योग के लिए भूमि उपलब्ध कराने समय, केवल उद्योगपति से यह ही पूछती है, अपना माल निर्यात करोड़ों में होगा। यह ही एक सवाल, बैंकों व सरकार द्वारा इण्डस्ट्री को ऋण देते समय पूछा जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू 16 जनवरी को जयुपर आएंगी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर जयपुर आएंगी। राष्ट्रपति का यह संक्षिप्त, लेकिन महत्वपूर्ण दौरा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष माना जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति दोपहर 1:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी।

एयरपोर्ट से वे सड़क मार्ग के जरिए दोपहर 2:10 बजे सिविल लाइंस स्थित लोक भवन पहुंचेंगी, जहां उनका अल्प

- वे जयपुर के पास नींदड में आयोजित हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी।

विश्राम एवं अन्य औपचारिक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शाम 3:50 बजे लोक भवन से प्रस्थान कर शाम 4:20 बजे सीकर रोड स्थित नींदड़ हाउसिंग स्कीम, हरमाड़ा पहुंचेंगी।

यहां वे रामानंद मिशन की ओर से आयोजित1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। इस धार्मिक आयोजन का आयोजन तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के सानिध्य में किया जा रहा है। महायज्ञ के साथ-साथ श्रीराम कथा का भी आयोजन चल रहा है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

राष्ट्रपति का जयपुर प्रवास लगभग चार घंटे का रहेगा। कार्यक्रम में सहभागिता के बाद वे शाम को पुनः जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी और वहां से विशेष विमान द्वारा दिल्ली लौट जाएंगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक विशेष सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, वहीं यातायात को लेकर भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने पतंग उड़ाई, जल महल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी भी देखी

जयपुर, 14 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया और इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा लोक-कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही, पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर इस वर्ष से राज्य के सभी संभाग मुख्यालय तथा जैसलमेर व माउण्ट आबू में भी पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सातों संभागों एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर पतंग उत्सव आयोजित किया गया। इसमें रंग-बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया। समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ सहित, अन्य अधिकारी, देशी-विदेशी पर्यटक और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

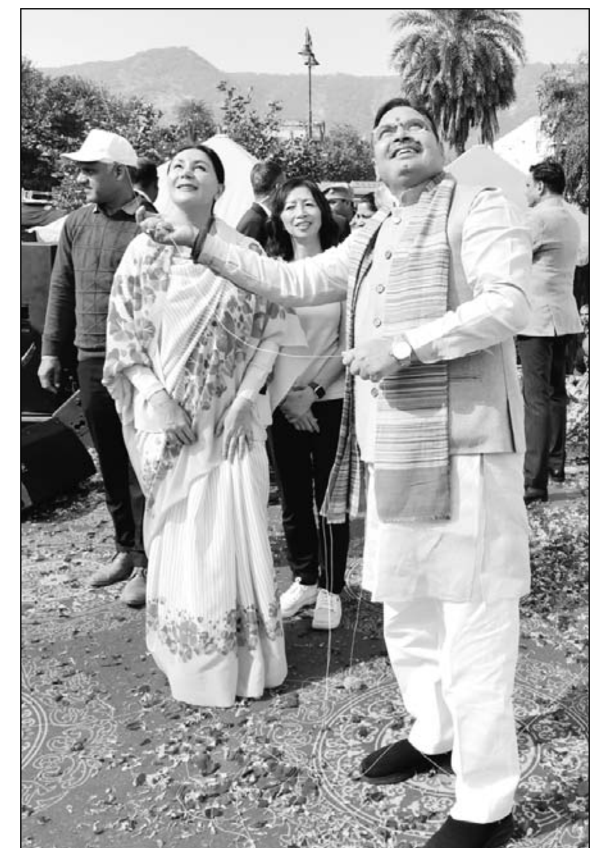

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव का शुभारंभ किया।

माघ मेले में लगातार दूसरे दिन आग लगी

प्रयागराज, 14 जनवरी। माघ मेला के सेक्टर 4 तुलसी मार्ग स्थित बड़े ब्रह्म छोटे ब्रह्म आश्रम में बुधवार की शाम अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमें आधे दर्जन टेंट जलकर राख हो गए। इसमें रखा सामान व 20,000 रुपये नकदी रखा था।

आश्रम के संचालक कमलेश्वर नाथ पांडेय के मुताबिक, इस आश्रम में करीब दर्जन भर से अधिक लोग थे, जो पूजा में व्यस्त थे।

- आधा दर्जन टैंट जल गए, मंगलवार को भी आग लगी थी इसमें तकरीबन एक लाख रु. व कुछ सामान जल गया।

इसी दौरान टेंट के पीछे से आज भड़की, सभी लोग बालू और पानी आग पर फेंकने लगे। इसी से कुछ दूर स्थित कल्पवासी फायर स्टेशन के दमकल कर्मियों की नजर उस पर पड़ी। आनन-फानन में मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

इससे पहले मंगलवार को भी माघ मेले में आग लगने की सूचना मिली थी।

काली मार्ग सेक्टर पांच स्थित रामनाम एवं मानस प्रचार संघ के शिविर में अचानक आग लग गई थी। इससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई थी।

मांडलगढ़ में महिला कनिष्ठ सहायक पर मनरेगा श्रमिकों से चौथ वसूली का आरोप

माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत का मामला

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। श्रमिकों ने आरोप लगाया है कि पंचायत स्तर पर पदस्थ महिला कनिष्ठ सहायक द्वारा काम देने के बदले उनसे चौथ वसूली की जा रही है। मामले से आक्रोशित श्रमिकों ने प्रदर्शन कर एसडीएम और बीडीओ को लिखित शिकायत सौंपी है और कनिष्ठ सहायक को जल्द हटाने की माँग की है।

भीलवाड़ा जिले में माण्डलगढ़ उपखण्ड के धाकड़खेड़ी पंचायत से आए सैकड़ों श्रमिकों ने उपखण्ड अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि पंचायत में काफी लंबे समय से कनिष्ट सहायक नवोदिता भाणावत नियुक्त हैं। मनरेगा योजना के मस्टरोल में श्रमिकों के नाम दर्ज करने के बदले यदि तय राशि नहीं दी जाती तो उन्हें काम नहीं दिया जाता, नाम मस्टररोल में दर्ज नहीं किए जाते और कई बार काम से हटा भी दिया जाता है। मजबूरी में गरीब श्रमिकों को अपनी दिहाड़ी का एक हिस्सा कथित तौर पर कनिष्ठ सहायक को देना पड़ रहा है।

प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों ने बताया कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना, जो गरीबों को रोजगार और सम्मान देने के लिए बनाई गई है, उसमें

माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की धाकड़खेड़ी ग्राम पंचायत में पदस्थ महिला कनिष्ठ सहायक को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

खुलेआम वसूली हो रही है। इससे न सिर्फ श्रमिकों का आर्थिक शोषण हो रहा है, बल्कि योजना की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। मस्टरोल में नाम दर्ज करने के प्रति श्रमिक 300 की राशि व नए जॉबकार्ड बनाने के 1 हजार की राशि वसूली जा रही हैं। श्रमिकों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

धाकड़खेड़ी निवासी प्रकाश चन्द्र सालवी ने तो 100 के स्टाम्प पर शपथपत्र पेश कर शिकायत में महिला कर्मचारी पर अवैध चौथ वसूली का आरोप लगा कर पत्र को लोकायुक्त को भेजा गया है और भृष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर श्रमिकों को धमकाने का भी आरोप लगाया।

ग्रामीणों ओर श्रमिकों ने बताया कि भैरूसिंह राजपूत का 9 अगस्त 2025 में निधन हो गया था। जिसका श्रमिक जॉबकार्ड क्रमांक 2858981 है, भैरूसिंह को 9 से 23 दिसम्बर 2025 तक पखवाड़ा के मस्टरोल क्रमांक 32965 में 4 दिन की हाजिरी दर्ज कर फर्जीवाड़ा किया है और 996 रुपए का भुगतान उठा लिया गया है। इसी प्रकार अन्य कई श्रमिक मस्टरोल में कई तरह की अनियमिताएं की जाकर खुलेआम राजकीय कोष को चुना लगाया जा रहा है। मनरेगा योजना में श्रमिकों के नाम जोड़ने के एवज में चोथवसुली के लिए कनिष्ठ सहायक ने दलाल बना रखे हैं। दलाल श्रमिकों को एकांत में बुलाते हैं, मोबाइल फोन दूर रखवाकर चौथवसूली की जाती है और किसी को शिकायत करने पर जॉब से हटाने की धमकियां दी जाती हैं।

ज्ञापन देने के दौरान बागीद के पूर्व वार्डपंच भीम सिंह कानावत, प्रकाश

■ **आक्रोशित श्रमिकों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर कनिष्ठ सहायक को हटाने की मांग की**

सालवी, अक्षय सिंह, चंद्रवीर सिंह, लीला देवी बलाई, भोमा देवी बैरवा, नारायणी धाकड़, सुनीता बैरवा, रतन धाकड़, कैलाश बेरवा ,कन्यालाल धाकड़ सहित बागीद, धाकड़खेड़ी, हिंगोनिया और भवानीपुरा के सैकड़ों श्रमिक मौजूद थे।

मामले को लेकर धाकड़खेड़ी की कनिष्ट सहायक नववोदिता का कहना है कि श्रमिकों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। श्रमिकों को मनरेगा योजना में चिन्हित कार्य स्थल पर पर्याप्त कार्य करने पर जोर दिया जाता हैं। इसी को लेकर श्रमिकों ने अनर्गल आरोप लगा कर शिकायत की है।

वहीं इस मामले को लेकर उपखण्ड अधिकारी मनमोहन शर्मा का कहना है कि धाकड़खेड़ी के श्रमिकों की शिकायत प्राप्त हो गई है और पूरे प्रकरण की एक कमेटी बना कर जांच कराई जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित महिला कनिष्ठ सहायक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं पंचायत समिति विकास अधिकारी ने भी जाँच कराने की बात कही है।

कड़ाके की सर्दी से अब राहत मिलने की उम्मीद

बीकानेर, (निसं)। कई दिनों से पड़ रही कड़ाके की सर्दी से अब राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तरी हवाओं का प्रभाव बीकानेर में कुछ कम हो रहा है। इस कारण आने वाले दिनों में धीरे-धीरे तापमान बढ़ना शुरू होगा। हालांकि सर्दी का असर बरकरार रहेगा।

पिछले साल भी सर्दी ने असली रंग जनवरी में ही दिखाया था और इस साल भी जनवरी में ही कड़ाके की सर्दी पड़ी है। पिछले साल जनवरी में सर्दी ने लोगों को ठिठुरा दिया था। दिसंबर के

■ **उत्तरी हवाओं का प्रभाव कम होने से बढ़ेगा तापमान**

मध्य में सर्दी की शुरूआत हुई थी, लेकिन जनवरी के पहले हफ्ते में सर्दी ने लोगों को कंपा दिया था।

इस साल बारिश के कारण सर्दी ने दस्तक तो एक बार नवंबर में दे दी। मगर उसके बाद तापमान सामान्य और उससे ज्यादा ही रहा। अलनीनो के असर के कारण पूरा दिसंबर भी सामान्य तापमान या उतार-चढ़ाव में बीत गया।

दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक रात का तापमान 14 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया था। जनवरी के सप्ताह के बाद मौसम ने करवट बदली और बीते एक सप्ताह में लोगों को सर्दी का अहसास करा दिया। हालात ये हो गए कि लूणकरणसर प्रदेश के सबसे ठंडे स्थानों में शुमार हो गया। पिछले साल जैसी ही सर्दी इस बार भी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अब धीरे-धीरे सर्दी से राहत मिलनी शुरू हो जाएगी।

12वीं की छात्रा से दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। 12वीं कक्षा की छात्रा को किडनैप कर चलती कार में गैंगरेप करने वाले दो आरोपियों को नापासर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक युवक को गुजरात के गांधी नगर से पकड़ा है, जबकि दूसरे को बीकानेर से ही दबोच लिया गया।

सीओ गंगाशहर हिंमाशु शर्मा ने बताया कि 11 जनवरी को रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की गई थी। 6 जनवरी को छात्रा को स्कूल जाते समय दो युवक रास्ते से जबरन उठाकर कार में ले गए और चलती कार में गैंगरेप किया गया। शक होने पर गांव के लोगों ने रोका, कार और लड़की को छोड़ भागे इस दौरान पड़ोसी गांव के लोगों ने शक होने पर कार को रुकवा लिया। लड़की को नीचे उतारकर परिजनों को सूचना दी गई। इस दौरान आरोपी युवक वहां से फरार हो गए।

■ **एक युवक को गुजरात से पकड़ा, दूसरे को बीकानेर से ही दबोचा**

लड़की के घर वाले मौके पर पहुंचे और उसे अपने साथ ले गए। सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वकील (23) पुत्र हड़मान जांगू बस से गुजरात भाग गया था, जिसे गांधीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, आरोपी हंसराज (28) पुत्र छगनाराम को बीकानेर से पकड़ा गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और प्रकरण से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। लड़की का मेडिकल करवा लिया गया है। घटना 6 जनवरी की बताई गई है। बताया गया है कि दोनों आरोपी लड़की से पहले से परिचित थे। इसी दौरान लिफ्ट के बहाने उसे कार में बैठाया और किडनैप कर घुमाते रहे। करीब डेढ़ घंटे तक सड़क पर चलती कार में ही बारी-बारी से दुष्कर्म किया गया। आरोपियों ने छात्रा को रेप के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। डर के कारण वह चार दिन तक चुप रही। बार-बार पूछने पर छात्रा ने पूरा घटनाक्रम बताया। इसके बाद 11 जनवरी को मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां से पुलिस कस्टडी लेने का प्रयास करेगी, ताकि मामले में आगे की जांच की जा सके। फिलहाल पुलिस कार जब्त करने के साथ ही घटनास्थल पर हुए पूरे घटनाक्रम का रिकॉर्ड तैयार कर रही है, जल्द से जल्द चालान पेश किया जा सके।

दस लाख की पुरानी चांदी व तीस ग्राम सोने के जेवर चोरी

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में ग्राम लाडाकाबास की ढाणी सुरली में चोरी की एक वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर घर के मुख्य द्वार से प्रवेश कर सीधे कमरे में पहुंचे और वहां रखे दो बक्सों को उठा ले गए। चोर बक्सों को घर से करीब 200 मीटर दूर ले जाकर खोलते हुए उनमें रखे सोने-चांदी के जेवरात व नकदी निकाल ली और फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम लाडाकाबास की ढाणी सुरली निवासी रामनिवास पुत्र गोपाल यादव के घर से बीती रात अज्ञात चोर रात करीब तीन बजे अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर कमरे में रखे दो संदूको को लेकर घर से करीब 200 मीटर दूर ले जाकर संदूकों के ताले तोड़ दिए जिनमें एक संदूक में दस्तावेज व एक संदूक में रखी करीब 10 लाख की कीमत के 2 किलो पुरानी चांदी व 30 ग्राम सोने के जेवरात सहित नगदी पार कर ली। घटना के बाद पीड़ित परिवार को जब चोरी का पता चला तो घर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए। बाद में मामले की जानकारी प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज : उदयपुर शहर के सुखेर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले सीए के खिलाफ पीड़ित को आर्थिक हानि पहुंचाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित अशोक कुमार खटीक पुत्र जीवतलाल निवासी विजय गंज कॉ. पुराना बस स्टेण्ड के पास विजयगंज डूंगरपुर ने रौनक ओरिया सीए निवासी देव कॉम्पलेक्स अंबाजी आबूरो सिरोही के खिलाफ परिवाद जरिये प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि वर्ष 2018 में आरोपी से डूंगरपुर में आयोजित उद्योग मेले में संपर्क हुआ था, जहां से उससे बातचीत होने के पश्चात नजदीकीयां बढ़ गई। इस पर उसके कहे अनुसार काम नहीं करने पर आरोपी ने मुझे आर्थिक हानि पहुंचाई। इसको लेकर बातचीत करने पर अरोपी ने कांई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

उदयपुर में इंजीनियरिंग छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में इंजीनियरिंग छात्र ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापनगर थाना क्षैत्र सी क्लास निवासी युवराज सिंह (19) पुत्र नरपतसिंह राजपूत ने अपने मकान में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर परिजनों ने उसे निचे उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। एसआई अशोक सिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। युवराज पैसिफिक कॉलेज से इंजीनियरिंग का छात्र था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं पुलिस मामले में जांच कर रही है।

खाटूश्यामजी जा रहे श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

मथुरा (उत्तर प्रदेश) से खाटूश्यामजी जा रहे थे श्रद्धालु

सीकर, (निसं)। मथुरा (उत्तर प्रदेश) से खाटूश्यामजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकरा गई। रेस्टोरेंट संचालक सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे सीकर के रींगस कस्बे में हुई। गंभीर रूप से घायलों को सीकर रेफर किया गया है। पुलिस को आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने की वजह से कार अनियंत्रित हो गई।

रींगस पुलिस थाने के एएसआई

■ **गंभीर रूप से घायलों को सीकर रेफर किया, उपचार जारी**

■ **आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने से कार अनियंत्रित हो गई थी**

सांवताराम ने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे रींगस से खाटूश्यामजी जाने वाली रोड पर होटल माखन मटकी के पास हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो कार सड़क किनारे पेड़ से टकराई मिली। मथुरा निवासी रिंकू सैनी और अमित की मौत हो गई। घायलों में से तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीकर के एसके हॉस्पिटल रेफर किया गया है। सांवताराम ने बताया कि हादसे में गाड़ी ड्राइवर दुर्गेश, अजय, केवल और विनोद घायल हुए हैं। दोनों शवों को रींगस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

मथुरा से परिजनों के यहां पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। कार सवार सभी एक-दूसरे के परिचित थे। रिंकू सैनी मथुरा में खुद का रेस्टोरेंट चलाता था। अमित हेल्पर था। मकर संक्रांति का त्योहार होने के चलते सभी ने खाटूश्यामजी के दर्शन करने का प्लान बनाया था। मंगलवार की रात सभी श्रद्धालु मथुरा से रवाना हुए थे। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त कार को थाने लेकर आई है।

देवली के आवां कस्बे में 80 किलो की गेंद से हुआ दड़ा खेल

ढाई घंटे के खेल के बाद गेंद गढ़ में ही रही, यह साल सामान्य रहने के आसार

टोंक, (निसं)। देवली उपखण्ड के आवां कस्बे में ऐतिहासिक दड़ा महोत्सव बुधवार को सम्पन्न हुआ, जहां यह खेल 80 किलो की गेंद के साथ खेला गया। खेल में कस्बे के दो गेट, दो गोलपोस्ट होते हैं। मान्यता के अनुसार अगर गेंद अखनिया गेट की ओर जाए तो प्रदेश में अकाल पड़ने की संभावना होती है, जबकि गेंद दूनी दरवाजे की तरफ जाए तो सुकाल पड़ता है। अच्छी बारिश होती है, करीब ढाई घंटे खेल चलने के बाद गेंद गढ़ (चौक) में ही रही, ऐसे में यह साल सामान्य रहने के आसार हैं।

जिले के आवां कस्बे में बुधवार को पूर्व रियासत से जुड़े सदस्य आदित्य सिंह ने दड़ा गेंद को गढ़ के चौक में रखवाया और ठोकर मारकर शुरुआत की। खेल खेलने के लिए हजारों लोग

■ **खेल खेलने के लिए हजारों लोग आवां के चौक में जुटे थे**

आवां के चौक में जुटे थे, जहां महिलाएं, बच्चे, बूढ़े और अन्य लोग छतों से हूटिंग कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और आवां सरपंच दिव्यांश एम भारद्वाज समेत कई लोग शामिल हुए। कानून व्यवस्था संभालने के लिए डीएसपी हेमराज जाट, दूनी थाना प्रभारी रतन सिंह भी मौजूद रहे।

दड़ा महोत्सव के अवसर पर मकर संक्रांति के दिन आवां कस्बे में मेला आयोजित किया जाता है। खेल खत्म होने के बाद बाजार में भीड़ बढ़ गई तथा मेले में स्थानीय लोगों समेत ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग और महिलाएं खरीदारी की।

80 किलो की गेंद के साथ ऐतिहासिक दड़ा महोत्सव सम्पन्न हुआ।

टोंक में चाइनीज मांझे से युवक का गला कटा

टोंक, (निसं)। निवाई में चाइनीज मांझे से युवक का चेहरा कट गया। बाद में उपचार के बाद युवक को घर भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक पारस बैरवा पुत्र रामनारायण बैरवा निवासी निवाई जो कुंडों के पास से निवाई शहर की ओर जा रहा था। तभी चाइनीज मांझा उसकी गर्दन से टकरा गया, मांझे की तेज धार से गर्दन कटने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर गिर गई। घटना में गर्दन और गाल के बीच गहरा घाव हुआ है।

बाद में आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायल पारस को उपजिला अस्पताल निवाई पहुंचाया, डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गर्दन पर पांच टांके लगाए हैं। उपचार के बाद युवक की हालत सामान्य है, उसे घर भेज दिया गया, ग्रामीणों ने प्रशासन से चाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग की है।

जोधपुर में आवारा कुत्तों द्वारा राहगीरों को काटने के मामले बढ़े

महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रोजाना करीब 50 से ज्यादा लोग पहुंच रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। शहर में इन दिनों आवारा कुत्तों के द्वारा राहगीरों को काटने के मामले बढ़ने लगे हैं। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में रोजाना औसतन करीब 50 से ज्यादा लोग पहुंचने लगे हैं। बीते करीब 12 दिनों में 600 से ज्यादा लोग कुत्तों के शिकार हो चुके हैं, जबकि पिछले तीन सालों के आंकड़ों की बात की जाए तो औसतन रोजाना 30 से 35 लोग डॉग बाइट के शिकार होते हैं।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल में डॉग बाइट को लेकर इलाज होता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर इससे संबंधित इलाज ही नहीं है। ऐसे में 70 से 100 किलोमीटर दूर तक के मरीजों को इंजेक्शन और टीका लगवाने के लिए जोधपुर आना पड़ता है। जोधपुर में बीते तीन वर्षों की बात की जाए तो साल दर साल डॉग बाइट के आंकड़े बढ़ रहे हैं। जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में साल 2023 में जहां डॉग बाइट के 10 हजार 615 मामले आए, वहीं साल 2024 में 10968 और साल 2025 में 13 हजार 198 मामले सामने आ चुके हैं।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर सावित्री शर्मा ने बताया कि इन दिनों सर्दियों के समय में डॉग बाइट के मामले बढ़ जाते हैं। यहां पर ग्रामीण क्षेत्रों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं, लेकिन सावधानी बरतने की भी जरूरत है। उन्होंने बताया कि यदि कहीं पर भी डॉग बाइट हो तो घाव को 10 से 15 मिनट तक बहता पानी में धोना चाहिए इसके बाद जितना जल्दी हो सके मरीज को अस्पताल लाना चाहिए। जहां पर उसके एंटी रैबीज इंजेक्शन भी लगाए जा सके और उसका इलाज भी शुरू किया जा सके। उन्होंने बताया कि कई बार लोग कुत्ते के काटने के समय घाव पर मिर्ची लगा देते हैं लेकिन यह घाव के लिए नुकसानदायक है, इसलिए इस तरह की भ्रांतियां में नहीं आना चाहिए और घाव पर मिर्ची लगाने की बजाय उसे बहता पानी से धोना चाहिए और जल्द से जल्द अस्पताल में मरीज को लेकर आना चाहिए, जिससे कि उसका इलाज शुरू किया जा सके।

कार से शराब जब्त, तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से अवैध रूप से शराब का परिवहन करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस टीम ने 4 पेटी अवैध शराब की एवं घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार ने मय जाप्ता माल बाबड़ी के पास कोटा रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि चैकिंग के दौरान एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार में से अवैध शराब की चार पेटियां बरामद की गई, जिसमें दो देशी शराब की एवं दो अंग्रेजी शराब की पेटियां बरामद की गई है। पुलिस टीम ने मौके पर कार में सवार सलोनिया निवासी आकाश, नन्दबिहारी एवं महावीर को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान किया जा रहा है।

बीकानेर : रायसर के धोरों पर "पतंग उत्सव" का आयोजन

बीकानेर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को पहली बार रायसर के धोरों पर पतंग उत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे रोबीले और महिलाएं तथा स्थानीय नागरिकों ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान चारों ओर वो काटा का शोर गूंजता रहा।

कार्यक्रम में पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़, कार्यक्रम प्रभारी और उपनिदेशक महेश व्यास, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल पंड्या सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहली बार सभी संभाग मुख्यालयों के अलावा जैसलमेर और माउंट आबू में पतंग उत्सव आयोजित किया गया है। इसके

मकर संक्रांति पर रायसर के धोरों में महिलाओं तथा स्थानीय नागरिकों पतंगबाजी का लुत्फ उठाया।

तहत रायसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम प्रभारी व्यास ने बताया कि इस दौरान बीकानेर का पारम्परिक 'चंदा' भी उड़ाया गया। पतंगबाजों ने

■ **उत्सव के दौरान बीकानेर का पारम्परिक 'चंदा' भी उड़ाया गया, पतंगबाजों ने पतंगबाजी भी की**

पतंगबाजी की। इस दौरान परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया।

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ने सड़क सुरक्षा सप्ताह की जानकारी दी और कहा कि यातायात नियमों की पालना करते हुए दुर्घटना से बचा जा सकता है। इस दौरान सहायक पर्यटन अधिकारी योगेश राय, लोक कलाकार अनिल बोड़ा, आर्यन जोशी, हिमांशु जोशी, आर्यन बीकानेरी, ज्योति स्वामी आदि मौजूद रहे।

युवक ने मौसेरे भाई की हत्या की

उदयपुर, (निसं)। जिले के वाघपुरा थाना क्षेत्र में आपसी मनमुटाव के चलते युवक ने कुदाली से हमला कर मौसेरे भाई की हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार वाघपुरा थाना क्षेत्र देवीनपाड़ा मादड़ी निवासी मुकेश पुत्र धर्मचन्द्र कसोटा ने आपसी मनमुटाव के चलते कुदाली से हमला कर अपने मौसेरे भाई देवीनपाडा मादड़ी निवासी मन्नालाल उर्फ मनीष पुत्र केसुलाल कसोटा की हत्या कर दी। कुछ दिनों पूर्व दोनों ने साथ में शराब पी थी एवं उस दौरान विवाद होने पर मन्नालाल ने मुकेश के साथ मारपीट की थी, जिससे वह नाराज था। मंगलवार शाम मन्नालाल को आता देख कर मुकेश ने बीच रास्ते में कुदाली से मन्नालाल पर हमला कर फरार हो गया। हमले में घायल मन्नालाल को झाड़ोल चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर वाघपुरा थानाधिकारी वैलाराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

जोधपुर में सर्दी से दो जनों की मौत

अलग-अलग जगह मिले थे शव

जोधपुर, (कासं)। शहर में पड़ रही कड़ाके की ठंड से दो फुटपाथी व्यक्तियों की मौत हो गई।

पुलिस ने शवों को पहचान के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। उदयमंदिर पुलिस के अनुसार एएसआई सुमेरसिंह ने सोजती गेट पुलिस चौकी के पास सुलभ कॉम्पलेक्स के पास एक व्यक्ति बेहोश की हालत में लेटा हुआ पाया था। उसको बाद में एमजीएच लाया गया, मगर यहां पर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। दूसरी तरफ महामंदिर पुलिस के अनुसार एएसआई सुरेशचन्द्र ने महामंदिर चौराहा के पास में अज्ञात शख्स का शव बरामद किया था। पुलिस ने उक्त दोनों मामलों में सर्दी से मौत होने की आशंका जताई है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR

No.NIT/2025-26/33362-71 **ई-निविदा सूचना संख्या 624/2025-26** Date:13.01.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)
Strenthening & Widening of Land acquired & other Stretches of Road from Shrimadhopur to Badhal via Patwari ka Bass, Lakhni Mod, Kotri Dhaylan, Dadiya Rampura. UBN: RRC2526WLOB01103	898.60 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

मुख्यमंत्री स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

शर्मा ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को नींदड़ में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में सपत्नीक शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। जयपुर में श्रीराम कथा का आयोजन हम सबके जीवन का पुनीत संयोग है। इससे राम नाम की महक चारों ओर फैली हुई है तथा हनुमान चालीसा के पवित्र स्वर और वेद मंत्रों की गूंज हर जगह सुनाई पड़ती है।

उन्होंने कहा कि जगद्गुरु इस युग के महान विद्वान, तपस्वी और रामभक्त हैं। शर्मा ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है और ज्ञान की ज्योति जलाई है।

उन्होंने भगवान श्रीराम के नाम को हर घर, गांव और शहर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। चित्रकूट की पावन भूमि से लेकर देश-दुनिया तक जगद्गुरु श्रीराम कथा के माध्यम से राम नाम की अमृत वर्षा करते है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जगद्गुरु ने तुलसी पीठ की स्थापना कर रामायण और हिंदी साहित्य की सेवा का अद्भुत कार्य किया है। प्रभु श्रीराम मर्यादा, सत्य और धर्म के साक्षात स्वरूप हैं तथा भगवान राम का चरित्र मानवता के लिए सर्वोच्च आदर्श है।शर्मा ने कार्यक्रम में रामानंद मिशन की ओर से दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सहायक उपकरण वितरित किए। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए युवाओं को हेलमेट सौंपे और स्वच्छताकर्मियों का सम्मान भी किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा का श्रीफल व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित बड़ी संख्या में साधु-संत एवं आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा का श्रीफल व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया।

मकर संक्रांति के अवसर पर दिनभर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

साड़ी के फंदे से झूल विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में एक विवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते घर पर साड़ी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हादसे के वक्त परिजन किसी काम से घर के बाहर गए हुए थे। वापस लौटने पर जब विवाहिता ने गेट नहीं खोला तो परिजन गेट तोड़ अंदर घुसे ।

कमरे में जाकर देखने पर विवाहिता फंदे से झुलती मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। जहां से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया की आंधी की रहने वाली मोनिका शर्मा (23) पुत्री गोपाल शर्मा ने मंगलवार शाम को साड़ी के फंदे से झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि अप्रैल-2025 में उसकी शादी फाइनेंस कंपनी में जॉब करने वाले विष्णु शर्मा निवासी ब्राह्मणों की ढाणी चौप दौलतपुरा से हुई थी। मंगलवार दोपहर परिवार के सदस्य खेत पर गए हुए थे। पीछे से उसने अपने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार शाम करीब 6 बजे घर लौटा तो गेट बंद मिला। गेट तोड़कर अंदर जाने पर कमरे में मोनिका फंदे से लटकी मिली। सुसाइड की सूचना पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए है। पुलिस को मृतका के पास किसी भी प्रकार का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

सीआईएसएफ अधिकारी का बर्खास्तगी आदेश रद्द

- एफआईआर के आधार पर सीआईएसएफ ने उसे निलंबित कर दिया और चार दिन बार ही बिना जांच किए सेवा से बर्खास्त कर दिया था
- हाईकोर्ट ने मृत परिजनों से जुड़े मामले में एफआईआर के बाद सीआईएसएफ निरीक्षक को निलंबित कर बाद में बिना जांच बर्खास्त करने को गलत माना

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के दौरान दर्ज एफआईआर के बाद सीआईएसएफ निरीक्षक को निलंबित कर बाद में बिना जांच बर्खास्त करने को गलत माना है। इसके साथ ही अदालत ने बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश बलराम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2003 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में निरीक्षक लगा था। उसे मुंबई स्थित सीआईएसएफ यूनिट से एक मृत सीआईएसएफ जवान के परिजनों से जुड़े मामले में जांच के लिए देहरादून भेजा गया। उस दौरान मृत जवान के परिजनों ने याचिकाकर्ता के खिलाफ मारपीट और अपमान करने के आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करा दी। एफआईआर के आधार पर सीआईएसएफ ने उसे निलंबित कर दिया और चार दिन बार ही बिना जांच किए सेवा से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद दायर विभागीय अपील को भी खारिज कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि सीआईएसएफ नियम, 2001 के तहत बडी सजा देने से पहले नियम 36 के तहत विभागीय जांच जरूरी है। दूसरी और विभाग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता पर गंभीर आरोप थे और पीड़ित पक्ष की सुरक्षा व बल की सुरक्षा को देखते हुए तुरंत कार्रवाई जरूरी थी। सीआईएसएफ अनुशासित बल है और ऐसी कठोर कार्रवाई से बल की छवि बनी रह सकती है।

पुलिस वाहन में तैनात कांस्टेबल लूट के आरोप में गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में ईआर-112 पुलिस वाहन में तैनात एक कांस्टेबल और प्राइवेट ड्राइवर द्वारा युवक से लूट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों ने पुलिस का डर दिखाकर मारपीट की और करीब दो लाख रुपए लूट लिए। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी अजय कांत रतूड़ी ने बताया कि लूट के मामले में शुभम मीणा (27) निवासी कोटपूतली-बहरोड़ तथा सुरेंद्र शर्मा (26) निवासी डाहर, चाकसू को गिरफ्तार किया गया है। शुभम मीणा पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर तैनात है, जबकि सुरेंद्र शर्मा ईआर-112 वाहन का प्राइवेट ड्राइवर है।

इस संबंध में आदर्श नगर के धन्नादाजी की बगीची निवासी फैजान कुरैशी (23) ने मामला दर्ज करवाया था कि 13 जनवरी की रात वह जगतपुरा में चिकन का भुगतान लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान भोमिया जी की छतरी के पास ईआर-112 पुलिस वाहन ने उसे रोका। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों ने उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया।

अपहरण करने वाले बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने अपहरण के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो शातिर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न केवल अपहृत व्यक्ति को सकुशल बरामद किया। बल्कि वारदात में शामिल आरोपियों को भी दबोच लिया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व सजीव नैन ने बताया कि परिवादी 13 दिसंबर 2025 को जयपुर से टोंक जाने के लिए सांगानेर के चाकसू बस स्टैंड पर खड़ा था। बस नहीं मिलने पर वह एक कार में बैठ गया। जिसमें पहले से चार लोग सवार थे। कुछ दूरी पर ले जाने के बाद आरोपियों ने उसके गले पर चाकू रखकर हाथ-पैर बांध दिए और एक लाख रुपए की मांग की।

बिना नियमित जांच अप्रमाणित सामग्री के आधार पर नहीं ठहराया जा सकता दोषी : हाईकोर्ट

- अदालत ने एएसआई को पदावनत कर हैड कांस्टेबल बनाने के आदेश को रद्द किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी को पदावतन करने से जुड़े मामले में कहा है कि बिना नियमित जांच किए केवल अखबार में प्रकाशित फोटो या अप्रमाणित सामग्री के आधार पर व्यक्ति को दोषी ठहराकर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता एएसआई को पदावनत कर हैड कांस्टेबल बनाने के आदेश को रद्द कर दिया है। हालांकि अदालत ने विभाग को छूट दी है कि वह चाहे तो मामले में नियमानुसार नियमित जांच कर सकता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश अजीत मोगा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सेवा नियम, 1958 के नियम 19 के उपनियम 2 का प्रयोग अत्यंत असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। यह प्रावधान विभाग को जांच से बचने का लाइसेंस नहीं देता। समान परिस्थिति में जब एक अधिकारी को राहत दी गई तो दूसरे को दंड देना समानता के अधिकार के भी खिलाफ है।

याचिका में अधिवक्ता मुकेश कुमार ने अदालत को बताया कि जनवरी, 2020 में एक दैनिक समाचार पत्र में कुछ पुलिस अधिकारियों की अपराधियों के साथ मौजूदगी दर्शाते हुए तस्वीरें प्रकाशित हुई थी। इन तस्वीरों के आधार पर पुलिस के आलाधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला कि याचिकाकर्ता आपराधिक तत्वों के संपर्क में है। इसके बाद बिना नियमित विभागीय जाए किए उसे हेड कांस्टेबल पद पर पदावनत कर दिया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि न तो उसे सुनवाई का मौका दिया गया और ना ही प्रकाशित फोटो की फॉरेंसिक जांच कराई गई, जबकि ये फोटो एआई से बनाई जा सकती हैं।

बुजुर्ग महिला को लिफ्ट का झांसा देकर लूटपाट की

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में एक बुजुर्ग महिला को अंजान बाइक सवार युवक से लिफ्ट लेना भारी पड़ गया। बदमाश ने लिफ्ट देने का झांसा दे बाइक पर बैठाया और सुनसान जगह ले जाकर उसे जान से मारने की धमकी देकर पहने हुए सोने के आभूषण खुलवाए और लेकर फरार हो गया। आरोपी के चुगंल से निकलने के बाद पीड़िता जैसे-तैसे घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने पौते को दी। जिसके बाद पोता दादी को लेकर थाने पहुंचे और अज्ञात बाइक सवार बदमाश के लिए लूट का मामला दर्ज कराया। पुलिस नेलूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पीएमश्री देशनोक विद्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे शासन सचिव

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल बुधवार को बीकानेर जिले के पीएमश्री राजकीय करणी उच्च माध्यमिक विद्यालय, देशनोक का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षिणक, प्रशासनिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। विद्यालय परिवार ने शॉल ओढ़ाकर शासन सचिव का स्वागत किया।

शासन सचिव कुणाल ने कक्षा-कक्षों का भ्रमण कर शिक्षण गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 12 के विद्यार्थियों को केमिस्ट्री विषय का अध्यापन भी कराया तथा विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन किया। विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने एवं नियमित अध्ययन पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान कुणाल ने विद्यार्थियों के साथ जमीन पर बैठकर मध्याह्न भोजन भी किया और भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने विद्यालय में संचालित व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार के प्रयासों की प्रशंसा की तथा उन्हें निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया ।

पतंग लूटते समय पैर फिसलने से नाले में गिरे बच्चे की मौत

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में पतंग लूटते समय पैर फिसलने से नाले में गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सात फीट गहरे नाले से उसका शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने बुधवार सुबह जेएनयू हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि हादसे में खोह नागोरियान के रोपाड़ा स्थित बापू नगर निवासी अर्पित (11) की मौत हो गई। जो घर के पास ही पतंग लूट रहा था। कटी पतंग को पकड़ने के लिए भागते हुए वह खोरी रोपाड़ा स्थित नाले तक पहुंच गया। ध्यान नहीं रहने के चलते पैर फिसलने से वह नाले में जा गिरा। करीब सात फीट गहरे नाले के पानी में बच्चे के गिरने की सूचना पर हंगामा मच गया।

वाहनों को रोक कर अपहरण व मारपीट कर लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश

- दो नाबालिग को निरुद्ध किया

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने राहगीरों का अपहरण कर मारपीट करने व लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है और साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गैंग में शामिल अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त अब तक 16 वारदातों को अंजाम दे चुके है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि थाना इलाके में स्थित मुहाना पत्रकार कॉलोनी,जयसिंहपुरा ,नारायण विहार इलाके में सुनसान जगहों पर राहगीरों को रोकर अपहरण कर मारपीट कर लूटपाट करने की शिकायत लगातार प्राप्त हो रहीं थी। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। जिसमें डीएसटी टीम के विशम्भर दयाल,धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार हेड कांस्टेबल ,संदीप कुमार ,रवि ,अनुज, पत्रकार कॉलोनी थाने के एएसआई विक्रम सिंह, हेड कांस्टेबल हंसराज , कांस्टेबल उमेश कुमार, राजेंद्र ,दीपचंद व दिनेश कुमार को शामिल किया गया। टीम ने तकनीकी सहायता के आधार पर बापर्दा मोहन लाल गोदारा (24) निवासी माधोराजपुरा हाल गोल्यावास ,आयुष मेवाड़ा (22) निवासी दूनी जिला टोंक , राधा मोहन मीणा (22) निवासी निवाई जिला टोंक हाल पत्रकार कॉलोनी को गिरफ्तार किया है और साथ ही दो नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने गत 8 जनवरी 2026 को परिवादी अतुल मेहरा निवासी मालपुरा टोंक हाल अभिमन्यु रेजीडेसी मदाऊ को पीपला भरत सिंह रोड पर रोका और जबरन उसे स्विफ्ट कार में डालकर सुनसान जगह पर ले गए।

पुलिस ने लूटपाट करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया ।

मकर संक्रांति पर सिटी पैलेस में 'पतंग महोत्सव' मनाया

पर्यटकों ने सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया ।

जयपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर सिटी पैलेस के मुबारक महल की छत पर पतंग महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। देशी-विदेशी पर्यटकों ने सिटी पैलेस से शहर की मशहूर पतंगबाजी का आनंद उठाया। उत्सव में पर्यटकों के लिए निशुल्क पतंग और डोर की व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य गुलाबी शहर की पतंगबाजी की प्राचीन परम्परा और संस्कृति को बनाये रखने और शहर में आने वाले पर्यटकों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराना था।

उत्सव के दौरान राजस्थानी लोक गायक द्वारा पारंपरिक राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति दी गई। पर्यटकों और आगंतुकों ने पतंग उड़ाने के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों जैसे दाल की पकौड़ी और तिल के लड्डुओं का भी लुत्फ उठाया। इस वर्ष भी सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय (1835-1880) की विभिन्न प्रकार की चरखियों के साथ तितली के आकार की एक बड़ी पतंग तुक्कल भी प्रदर्शित की गई। यह पतंग पर्यटकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। तुक्कल पतंग एक विशेष प्रकार की फाइटर-काइट है, जो कि एचएच. महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के समय से बहुत ही लोकप्रिय है।

पतंग उत्सव में हुई भव्य आतिशबाजी

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा जयपुर नगर निगम एवं पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के सहयोग से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और पर्यटन पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और सशक्त करने वाले भव्य काईट फेस्टिवल के दूसरा चरण हवामहल के सामने आयोजित हुआ।

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की गरिमा मयी उपस्थिति में पतंग उत्सव के दूसरे चरण में हुई भव्य आतिशबाजी से गुलाबी नगर का परकोटा आतिशबाजी की रंगीन रौशनी में नहा गया। सुर्ख काले आसमान में जगमगाती रौशनी ने चमकदार रंग भर दिए।आसमानी फूलझड़ियों, रॉकेट, पटाखों के सुरीले धमाकों और गड़गड़ाहट से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा। यहां हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक टकटकी लगाए आसमान में खिलखिलाते हुए सितारों को निहारत रहे। जोश, उमंग, उत्साह से अद्भुत समा बंध गया।

आतिशि सितारों से चमचमाता ऐसा नजारा शायद ही पहले कभी इस क्षेत्र में नज़र आया हो। दिनभर के सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्सव के बाद शाम 6.30 बजे से पतंग उत्सव के दूसरे चरण में लालटेन उड़ाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।गुलाबी शहर के आसमान में रोशनी और रंगों से सजी आतिशबाज़ी ने इस काईट फेस्टिवल का यादगार समापन किया।

उपमुख्यमंत्री व डॉ. सतीश पूनियां ने पतंगबाजी कर दी शुभकामनाएं

- डॉ. सतीश पूनियां ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने जयपुर स्थित निवास पर परिवारजनों के साथ पतंग उड़ाने के बाद भाजपा प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में भाग लिया

जयपुर। सनातन पर्व मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां तथा राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर में पतंगबाजी कर पर्व को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।

डॉ. सतीश पूनियां ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने जयपुर स्थित निवास पर परिवारजनों के साथ पतंग उड़ाई। इसके पश्चात वे किशनपोल क्षेत्र के सौखियों का रास्ता पहुंचे, जहां भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी मौजूद रहीं।

दोनों नेताओं ने पतंग उड़ाकर प्रदेश एवं देशवासियों के निरंतर उन्नित, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी किशनपोल स्थित राजू मंगोड़ीवाला के आवास पर आयोजित पतंग उत्सव में शामिल हुईं, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने स्वयं पतंग उड़ाकर उत्सव का आनंद लिया और उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली लेकर आए। मकर संक्रांति को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान उत्सव की रौनक बढ़ा रहा था।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां तथा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर में पतंगबाजी कर पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

धूमधाम से मनाया महापौर कुसुम यादव का जन्मदिन

जयपुर। निवर्तमान महापौर कुसुम यादव का जन्मदिन बुधवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों, पार्षदों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सुबह से ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और दुपट्टों से उनका सम्मान किया। जन्मदिन के अवसर पर वातावरण पूरी तरह उत्सवमय बना रहा।कुसुम यादव ने इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों में जाकर धोक लगाई और प्रदेश की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही उनका सबसे बड़ा उद्देश्य है और भाजपा की विचारधारा के अनुरूप समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि कुसुम यादव ने हमेशा संगठन को मजबूत करने, जनता के बीच रहकर समस्याओं का समाधान करने और युवाओं को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई है।इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, पार्षदों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी भाग लिया।

सार-समाचार

गीतांजली विवि में मनाई मकर संक्रांति

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली विश्वविद्यालय में मकर संक्रांति पर्व बडे ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का परिसर रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर नजर आया और चारों ओर उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की लीडरशिप टीम, प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्यों ने बढ-चढकर भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से पतंग उडाने और पारंपरिक खेल सितोलिया खेलकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत किया। मकर संक्रांति के इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के बीच आपसी सौहार्द, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को बढावा देना रहा। कार्यत्रम के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला तथा सभी ने इस पर्व को मिल-जुलकर मनाने का आनंद उठाया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक विरासत से जुडने और सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। आयोजन ने गीतांजली विश्वविद्यालय के पारिवारिक एवं सांस्कृतिक परिवेश को और अधिक सशक्त किया।

फफूंद जनित रोग का प्रकोप

मंडफिया, (निसं)। मौसम के बदलने से घने कोहरे के कारण अफ़ीम फसल प्रभावित हो रही हैं। अफ़ीम फसल में फफूंद जनित रोग के प्रकोप ने काश्तकारों की चिंता बढ़ा दी। अफीम उत्पादक काश्तकारों ने बताया कि घने कोहरे के कारण मौसम नहीं खुलने से अफ़ीम फसल की पत्तियों में पीलापन एवं पत्तियों के नीचे फफूंद की समस्या उत्पन्न हो रही हैं। काश्तकार राधे सुथार ने बताया कि काश्तकार अपनी फसल में लगी बीमारी को दूर करने के लिए फफूंदीनाशक स्प्रे का छिड़काव कर रहे हैं।

आम सभा 18 जनवरी को

उदयपुर, (कासं)। हिंदुस्तान जिंक कर्मचारी सहकारी उपभोक्ता भंडार लिमिटेड जिंक नगर चित्तौडगढ की वर्ष 2022-23 से 2024 25 तक की आम सभा 18 जनवरी को शाम 4.30 बजे एग्जीक्यूटिव क्लब जिंक नगर में आयोजित की जाएगी।संस्था अध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन ने बताया कि आम सभा के दौरान संचालक मंडल बैठकों की कार्यवाही की पुष्टि अध्यक्ष भाषण का अनुमोदन वर्ष 2022-23 से 2024 25 तक के अंकेक्षित व्यापार खाता लाभ हानि खाता एवं संतुलन चित्र एवं 2025 26 के बजट का अनुमोदन सदस्यों को उपहार वितरण का अनुमोदन सहित अन्य बिंदुओं पर विचार किया जाएगा।

देपुर गांव से ट्रांसफर्मर चोरी

उदयपुर, (कासं)। वल्लभनगर कस्बे के देपुर गांव में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वल्लभनगर थाना क्षैत्र में स्थित अजमेर विद्युत विमरण निगम लि. के कनिष्ठ अभियंता इन्द्रजीत पुत्र राजेन्द्र सिंह शक्तावत ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि देपुर गांव में सीगल फेस का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था । जिसे 8 जनवरी रात में अज्ञात चोर चुरा ले गए। दूसरे दिन इसका पता नहीं चलने पर पर तलाश कर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इसी तरह वल्लभनगर थाना क्षैत्र भटेवर खेरोदा निवासी झमकलाल पुत्र उदयलाल लौहार ने अज्ञात चोर के खिलाफ 3 दिसंबर 2025 को नवानिया में स्थित निर्माणाधीन मकान से कॉपर वायर के बण्डल चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज करवाया।

'ये कटी-वो कटी,कट है, के नारों से गूंजती रही छतें'

■ मकर संक्रांति का पर्व जिले भर में परम्परागत हर्षोल्लास व श्रद्वा के साथ मनाया

डूंगरपुर, (निसं)। मकर संक्रांति का पर्व जिले भर में परम्परागत हर्षोल्लास व श्रद्वा के साथ बुधवार को मनाया गया। इस दौरान जहां दान-पुण्य पौराणिक परम्परा का निर्वहन किया गया वही युवा, बडे बुजुर्गो तथा महिलाओं ने पंतगबाजी का आनंद लेते हुए इस पर्व को मनाया। वही छतों पर सीडी प्लेयर व अन्य वाद्ययंत्रों के माध्यम से फिल्मी गीतों पर पतंगबाजी के साथ साथ नाचते गाने का आनंद लेते हुए देखे गये। वही दूसरी ओर शाम ढलने के साथ ही छतो पर चढे युवाओं ने केडिल पंतग उडाकर लुफ्त उठाया।

मकर संक्रांति को लेकर गत काफी दिनों से युवा वर्ग में उत्साह का माहौल था और इसी के चलते बुधवार को सूर्य की पहली किरण के साथ ही पंतगबाजी के शौकिन अपने घरों की छतों पर आ धमके और पंतगबाजी का आनंद लेते गये। ज्यों-ज्यों दिन चढता गया त्यों-त्यों शहर की छतों पर युवा वर्ग का टोला सैकडों पंतगों, उमदा किस्म की दौर व साऊंड सिस्टमों के साथ पहुंच गया। तथा धीरे-धीरे एक छत से दूसरी छत पर जैसी ही सामने वाले की पंतग कटती तो एक साथ एक स्वर में आवाज गुंज उठती कि कट है....और उसी दौरान साऊंड सिस्टमों की आवाज विभिन्न फिल्मी गीतों की धूम पर गुंज उठती। पंतगबाजी के इस नजारे को देखने के लिए छतों पर महिलाओं की तादाद भी कम नहीं थी।

इस दौरान 50 की उम्र पार कर गये लोग भी पूरे उत्साह के साथ पंतगबाजी का आनंद ले रहे थे।पंतगबाजी के शौकिन युवाओं ने दीप जलाकर रात्रि को भी पंतग उडायें इस दौरान छतों पर तिल की पपडी,मुंगफली की चिक्की तथा अन्य खाद्य पदार्थो का जमकर लुफ्त उठाया। वही दिन भर घरों के आगे मांगने वालों का भी तांता लगा रहा। जिसमे महिलाओं ने पुराने वस्त्रों के अलावा,खाद्य सामग्री भी दान में दी। वही पशुओं को चारा डाला गया। हालाकि दिन भर हवा का रूख पूरे वेग पर होने के कारण पंतगबाजी के शौकिनों को काफी मजा आया वही रह रह कर आतीशबाजी से वातावरण को गुंजायेमान कर रहे थे। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंतगबाजी के साथ साथ ग्रामीणों ने गिडाडोट व सतोलिया खेल कर मकर संक्रांति पर्व का आनंद लिया। वही श्रद्वालुओं ने जिले भर के विभिन्न संगम स्थलों पर स्नान कर भगवान की पूजा अर्चना की। इधर श्री जैन श्वेताम्बर वीशा पोरवाड संघ एवं महिला मण्डल के सानिध्य में साध्वी यशाश्री जी के कालधर्म दिवस पर भण्डारिया स्थित महावीर गौ-शाला में ग्रो-ग्रास एवं गुड दान किया गया है।

धोखे से नकदी हड़पी

उदयपुर,(कासं)। शहर के सवीना थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ निवेश का झांसा देकर नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित राजेन्द्र शर्मा पुत्र परमानन्द निवासी हिरणमगरी सेक्टर12ने रमेश श्रीमाली निवासी रोशनजी की बाड़ी सेक्टर 12 के खिलफ प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपनि/स्टोर/25-26/6723 दिनांक 12/01/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 2025-26

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा नगर निकाय में अनुभवी फर्मो/ठेकेदारो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन अल्पकालीन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526B0169 पर भी देख सकते है :-

	कुल 1 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 24.00 लाख रुपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	12.01.2026 समय. प्रातः 10 बजे से 18.01.2026 सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दि.	19.01.2026 समय दोपहर : 1 बजे
ऑन लाईन राशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	18.01.2026 समय. सांयः 6 बजे
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	19..01.2026 समय सांयः 5 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड मूल्यांकन पश्चात
UBN	DLB256GLOB30170

(कौशल कुमार खदूमरा) आयुक्त- नगर परिषद निम्बाहेड़ा

राजस्थान आवासन मण्डल
(A State Govt. enterprise constituted under RHB Act 1970)
वृत्त-उदयपुर
"Salumber Chouraha, Sector 11, Udaipur-313002 Email-DHCUDPR.RHB@RAJASTHAN.GOV.IN

पत्र क्रमांकः-उप.आ.आ./वृत्त-उदय/2025-26/1343 दिनांक :-8.01.2026

-: जाहिर आम सूचना (दौहरा रजिस्ट्री नामान्तरण):- Registered

फ्लेट संख्याH-06 (First Floor) आयवर्गMIG-A (G+3) माप 18.65 वर्ग मीटर योजना दक्षिण विस्तार आवासीय योजना- बलिचा शहर उदयपुर का डा. संतोष मीणा पुत्र श्री सांवल राम मीणा को आवंटन पत्र क्रमांक 14 दिनांक 06.04.2015 जारी कर दिनांक 07.10.2015 को कब्जा दिया गया। उक्त फ्लेट का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1178 दिनांक 27.10.2015, डा. संतोष मीणा पुत्र श्री सांवल राम मीणा को जारी किया गया एवं प्रथम पंजीयन दिनांक 28.10.2015 द्वारा डा. संतोष मीणा पुत्र श्री सांवल राम मीणा के पक्ष में निष्पादित करवाई गई।

पंजीयन उपरान्त डा. संतोष मीणा पुत्र श्री सांवल राम मीणा ने उक्त फ्लेट का बैचान विक्रय-पत्र (पंजीकृत) द्वारा दिनांक 29.10.2015 को श्री राम अवतार यादव पुत्र श्री नन्दराम यादव को किया गया। तत्पश्चात् श्री राम अवतार यादव पुत्र श्री नन्दराम यादव ने पुनः उक्त फ्लेट का बैचान विक्रय-पत्र (पंजीकृत) दिनांक 25.08.2023 द्वारा श्रीमती मीना खंडेलवाल पत्नी श्री प्रवीण खंडेलवाल को किया गया। श्रीमती मीना खंडेलवाल पत्नी श्री प्रवीण खंडेलवाल ने इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त फ्लेट को विक्रय पत्र (पंजीकृत) के आधार पर अपने नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 10, दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय को सूचित करे अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्याH-06, दक्षिण विस्तार आवासीय योजना, उदयपुर का नामान्तरण श्रीमती मीना खंडेलवाल पत्नी श्री प्रवीण खंडेलवाल के पक्ष में हस्तानान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-उदयपुर

गौ सेवा का लिया संकल्प

राजसमंद। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने मकर संक्रांति पर्व की शुभ अवसर पर राजनगर स्थित गौशाला में तुलादान कर गौ सेवा एवं गौवंश संरक्षण का संकल्प लिया।

उन्होंने जिला खनिज प्रतिष्ठान कोष के माध्यम से राजनगर गौशाला में नवनिर्मित टीन शेड का लोकार्पण करते हुए कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी का नैतिक दायित्व है।

विधायक चार दिवसीय मकर संक्रांति महामहोत्सव के क्रम में आयोजित नानी बाई का मायरा कथा में भी सम्मिलित हुईं। इस दौरान उन्होंने श्रद्धेय भगवती कृष्ण महाराज (अथर्ववेदीय), हरिनाम सेवा ट्रस्ट, भीलवाडा के श्रीमुख से नानी बाई का मायरा कथा का श्रवण किया।

कुलपति सारंगदेवोत ने पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

■ परम्परा, प्रकृति और परिवार के साथ सामूहिकता का उत्सव है मकर संक्रांति : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के खेल मैदान पर आयोजित पारम्परिक खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने सितोलिया, गिली - डंडा खेलकर किया।

कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि भारत परम्परा एवं त्यौहारों का देश है यहॉ हर दिन तीज त्यौहार मनाया जाता है। मकर संक्रांति उन पर्वो में से है जो हमारे लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नही है, वरन जीवन को देखने समझने और जीने का एक व्यवहारिक दर्शन भी प्रस्तुत करता है। यह पर्व सूर्य के उत्तरायण होने का संकेत देता है ऋतुओं के परिवर्तन का साक्षी बनता है और मनुष्य के प्रकृति, विज्ञान समाज और परिवार चारों को एक साथ जोडता है। प्रो. सारंगदेवोत ने भारतीय संस्कृति और पारम्परिक खेलों के महत्व को पुनर्जीवित करने का आ ान किया। भारतीय संस्कृति और परम्पराएं हमारी अद्भुत विरासत हैं। मकर संक्रांति का पर्व हमारे जीवन में नई ऊर्जा, शांति और सकारात्मकता लाने का संदेश देता है। यह पर्व वैदिक संस्कृति के उस शाश्वत संदेश 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' को साकार करता है, जो अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। युवा आधुनिकता के साथ पारम्परिक खेलों को अपनाएं और उनके संरक्षण में योगदान दें। जिस देश ने अपनी संस्कृति को भुला दिया वे आज अपना अस्तित्व खो चुके है। उन्होंने कहा, आज युवापीढ़ी के मोबाइल और किताबों में उलझने के कारण खेलों से दूरी बन रही है। लेकिन हमारे तीज-त्योहार और खेल न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि वे सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ भी हैं। मकर संक्रांति जैसे पर्व इन मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम में अकादमिक और गैर-अकादमिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्रिकेट, टेबल टेनिस, रस्साकशी और सितोलिया जैसे खेल हुए। विद्यापीठ के कन्या महाविद्यालय में भी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यालय ग्रा.प.- थला, पं.सं. रायपुर (भील.)

क्रमांकः 129 दिनांकः 12.01.26

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत-थला में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की योजना में विभिन्न योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु निविदा सूचना सं.-2025-26/117 Date:- 9.1.26 के अनुसार योग्य संवेदकों से निर्धारित प्रारूप में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा सूचना का विवरण एवं शर्तें www. sppp.rajasthan पर देखी जा सकती है।

NIB Code : - ZBL2526A3106

ग्राम विकास अधिकारी, ग्रा.पं. थला, पं.स. रायपुर (भीलवाड़ा) — प्रशासक, ग्रा.पं. थला, पं.स. रायपुर (भीलवाड़ा)

Name Changed

I have changed my name from Mujaffar Rahman to Mujjafar Rahaman. Behind Police Thana, VPO Aspur, Dungarpur

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर (राज.)

नोटिस

पत्रावली संख्याः- 21/2026/283 दिनांक- 14.1.26
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस सम्बन्धित व्यक्तियों को
(समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु)

चूंकि श्री मयंक कोठारी, सचिव ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा-17 (2) के अन्तर्गत अर्हम शिक्षा एवं शोध संस्थान, 8-9, नवलोंक कॉलोनी, नवरतन कॉम्पलेक्स, बेदला रोड, उदयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में पंजीयन किये जाने के लिये आवेदन पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 (साठ) दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। ओर यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 14.1.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आगामी पेशी तारीख 18.3.26 की रखी गयी है।

(जतीन कुमार गांधी)
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, उदयपुर

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः नविप्रा/नियमन रिकॉर्ड/2025/3495 **आम-सूचना** दिनांकः- 8/1/2026

निम्न आवेदन कर्ता द्वारा अपने भूखण्ड का वारिसान के आधार पर अपने नाम पर नामान्तरण किये जाने हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	भुखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	राजस्व ग्राम एवं खसरा संख्या	आवेदक का नाम / पिता का नाम	मृतक का नाम एवं स्वामित्व का आधार
1.	17 (MUT No. 7473)	37614 (फार्म हाउस प्रयोजनार्थ)	बडगांव, 80 से 95. 115, 166 119 से 121, 124, 150 से 171	श्रीमती भावना जैन पत्नी श्री मुकेश जैन एवं श्री मुकेश जैन पिता श्री लक्ष्मी लाल जी जैन निवासी-13, न्यू ग्लास फैक्ट्री कॉलोनी, सुन्दरवास, उदयपुर (राज.)	उक्त भूखण्ड में श्रीमती सरोज पत्नी श्री डी. एस. मारू के अविभाजित 1/4 हिस्से को उनका वगवास दिनांक 12.11.2024 को होने से उनके द्वारा की मृत्यपुर्व किया गया पंजिकृत वसीयत नामा दिनांक 02.09.2024 के आधार पर वसीयत ग्रहीता श्री देवी शंकर मारू (डी. एस. मारू) पिता श्री भेराराम जी मारू द्वारा जरिये पंजिकृत विक्रय पत्र दिनांक 29.11.2025 से विकय किया गया जिसके आधार पर श्रीमती सरोज पत्नी श्री डी. एस. मारू के अविभाजित 1/4 हिस्से व अन्य के हिस्से का नामान्तरण विक्रय पत्र के आधार पर चाहा गया।

अतः उपरोक्तानुसार उक्त भूखण्ड का वारिसान के आधार पर नामान्तरण पत्र जारी करने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/फर्म को किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति/एतराज होतो वो अपनी आपत्ति मय आधारों सहित इस सार्वजनिक सूचना पत्र के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में संबंधित शाखा के अन्दर इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षर कर्ता को प्रस्तुत कर सम्बंधित शाखा प्रभारी को लिपिक को प्रस्तुत करावें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद आवेदक के नाम पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण- पत्र उपरोक्तानुसार आवेदको के नाम पर जारी कर दिया जावेगा । डॉ. अभिनव शर्मा, तहसीलदार, उदयपुर विकास प्राधिकरण उदयपुर (राज.)

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः उविप्रा/नियमन रिकॉर्ड/2026/3497 **आम-सूचना** दिनांकः- 8/1/2026

निम्न आवेदनकर्ता द्वारा अपने भूखण्डों का वारिसान के आधार पर अपने नाम पर नामान्तरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	भुखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	राजस्व ग्राम	आवेदक का नाम / पिता का नाम	मृतक का नाम / दस्तावेज
1.	109 (MUT No. 8141)	1500 वर्गफीट	शोभागपुरा खसरा नं 619 से 621	श्री रिलीज पगारिया पिता स्व. श्री राजेन्द्र पगारिया, श्री दर्शिल पगारिया पिता स्व. श्री राजेन्द्र पगारिया एवं श्री अंकित पगारिया पिता स्व. श्री राजेन्द्र पगारिया, निवासी- 8, बापना स्ट्रीट, मालदास स्ट्रीट, उदयपुर	श्रीमती प्रेम कुमारी काकरेचा पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र पगारिया का मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 14.04.2025 एवं श्री राजेन्द्र पगारिया पिता श्री शांतिलाल पगारिया का मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 09.12.2025 के आधार पर नामान्तरण चाहा गया है।

अतः उपरोक्तानुसार उक्त भूखण्ड का वारिसान के आधार पर नामान्तरण पत्र जारी करने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/फर्म को किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति/एतराज हो तो वो अपनी आपत्ति मय आधारों सहित इस सार्वजनिक सूचना पत्र के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में संबंधित शाखा के अन्दर इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर संबंधित शाखा प्रभारी को लिपिक को प्रस्तुत करावें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद आवेदक के नाम पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण-पत्र/लीजडीड जारी की जा सकेगा।

(डॉ. अभिनव शर्मा) तहसीलदार, उदयपुर विकास प्राधिकरण उदयपुर (राज.)

स्थापना दिवस मनाया

बांसवाड़ा, (निसं)। भील राजा आदिवासी युवा संस्थान ने भील राजा बांसिया प्रतिमा स्थल पर बांसवाड़ा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। युवा जिलाध्यक्ष और सांसद प्रत्याशी रहे अरविंद सीता डामोर ने बताया कि 14 जनवरी 1515 ई को बांसिया महाराज ने बांसवाड़ा को स्थापित किया इस उपलक्ष में भील राजा बांसिया महाराज ने तिल के लड्डू बनाकर जनता को बांटे और दिवस को बांसवाड़ा स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया। युवा संस्थान पदाधिकारियों ने ढ्ढोल-कुंडी आदिवासी वाद्ययंत्रो द्वारा हवन कर जिले की सुख-शांति, समृद्धि की कामना करते हुए सर्व समाज के लिए प्रार्थना की। इस दौरान जिलाध्यक्ष रकम नाथ चरपोटा, सहसचिव शंकर महाराज, मानवधिकार अध्यक्ष अर्जुनसिंह मसार, सरपंच धुलजी चरपोटा, अनीता खांट, मुकेश, सोना ताबियार, अर्पिता, बागीदौरा सरपंच रुक्मणि आर्य, रकमा रावत, रणछोड़ चरपोटा, बहादुर, गोपाल चरपोटा सहित आदिवासी समुदाय के लोग मौजूद रहें।भील राजा बांसिया जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल गायरी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियो ने नगर परिषद के बाहर स्थित भील राजा बांसिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

साक्षात्कार आज से

उदयपुर, (कासं)। जिला रसद कार्यालय, प्रथम में 61 रिक्त उचित मूल्य दुकानों के लिए सक्षम स्तर से अनुमोदन पश्चात् साक्षात्कार 15 जनवरी से आयोजित होंगे। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि 15 जनवरी को सुबह 10 बजे से उदयपुर शहर क्षेत्र की दुकानों के लिए साक्षात्कार होंगे। 21 जनवरी को बड़गांव मावली, 22 को घासा व गिर्वा, 23 को कुराबड़ , बारापाल व वल्लभनगर तथा 24 जनवरी को भीण्डर व कानोड़ क्षेत्र के लिए साक्षात्कार होंगे।

'नशाखोरी व सट्टेबाजी पर सख्ती बरतने की आवश्यकता'

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस थाने में बुधवार दोपहर सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) और शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थानाधिकारी सुनील शर्मा ने कस्बे को नशाखोरी और सट्टेबाजी से मुक्त करने के लिए आमजन से सहयोग की अपील की। कारोबार करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दो महीने में कपासन को सटा व नशा से मुक्त कराने का आश्वासन दिया।

बैठक में थानाधिकारी शर्मा ने "आमजन में विश्वास व अपराधियों में डर" के नारे को अमल में लाने पर जोर दिया। उन्होंने सदस्यों के साथ संवाद करते हुए क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। थानाधिकारी शर्मा ने कहा कि कपासन कस्बे की यातायात व्यवस्था सुधारने के साथ-साथ युवाओं में फैल रही नशाखोरी और सट्टेबाजी पर सख्ती बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए आमजन के सहयोग को आवश्यक बताया और कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अपराधियों पर रोक लगाना है।

दो दिवसीय कांफ्रेंस का समापन

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उदयपुर के संघटक डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा आर्टिफर्शियल इंटेलिजेंस एंड एप्लीकेशन्स (आईसीएआईए) विषय पर आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन हुआ।

यह कांफ्रेंस आर्टिफर्शियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध, व्यावहारिक अनुप्रयोगों तथा भविष्य की संभावनाओं पर गहन मंथन का सशक्त मंच सिद्ध हुई। इस दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में भारत सहित विभिन्न देशों से पधारे 200 से अधिक विषय विशेषज्ञों, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उभरती तकनीकों, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव तथा नवाचार आधारित समाधानों पर सार्थक एवं ज्ञानवर्धक विचार-विमर्श किया गया। समापन समारोह का शुभारंभ विभाग की निदेशक प्रो. मंजू माण्डोत के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस न केवल शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को सुदृढ करने का माध्यम बनी, बल्कि शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं उद्योग जगत के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने में भी सफल रही। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस के दौरान आर्टिफर्शियल इंटेलिजेंस की विभिन्न सब-थीम्स जैसे ह्यूमन-एआई इंटरफेस, एथिकल एआई, एजेंटिक एआई, एआई एजेंट्स, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग तथा जनरेटिव एआई जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विस्तृत एवं गहन चर्चा की गई। कांफ्रेंस के मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति ऑनरेरी कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने अपने उद्बोधन में दो दिवसीय कांफ्रेंस के सभी प्रतिभागियों के शोध प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जीवन में कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता, और आज के युवाओं को निरंतर सीखने की भावना के साथ अपने कौशल को विकसित करना चाहिए, ताकि वे वैश्विक स्तर पर बढते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव में राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएंप्रेषित कीं।

विधायक फूलसिंह मीणा ने दी एमए की परीक्षा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार निर्वाचित विधायक फूलसिंह मीणा का शिक्षा के प्रति जज्बा अनुकरणीय है। 15 साल की आयु में आर्थिक अभावों के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले मीणा ने न केवल अपनी बेटियों की प्रेरणा से दोबारा शिक्षा का दामन थामा, अपितु अपने क्षेत्र की बेटियों के लिए शिक्षा के सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोत भी बन कर उभरे हैं।

जनजाति परिवार से आने वाले फूलसिंह मीणा ने 15 वर्ष की आयु में आर्थिक अभाव एवं संघर्षों के चलते पढ़ाई छोड़ दी थी। बाद में अपनी बेटियों की प्रेरणा और प्रोत्साहन से 40 वर्ष बाद 55 वर्ष की उम्र में पुनः शिक्षा की डगर थामी और बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने एमए करने की ठानी। हाल ही उन्होंने 68 वर्ष की आयु में जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ युनिवर्सिटी से एम.ए. राजनीति विज्ञान में अंतिम वर्ष की परीक्षा दी। विधायक मीणा ने बताया कि उनका सपना पीएचडी की पढ़ाई कर डॉक्टर की उपाधि अपने सैनिक पिता को समर्पित करने का है। विधायक मीणा का यह जज्बा पूरे देश के शिक्षार्थियों के लिए आदर्श है। जनता के लिए हर समय सुलभ रहते हैं। विधानसभा में प्रश्न काल में प्रश्न पूछने के मामले में हमेशा 100 प्रश्न पूछ कर शतकवीर रहते हैं। इतनी व्यस्तताओं के बावजूद विधायक मीणा शिक्षा के पथ पर निरंतर अग्रसर रहते हुए एम ए अंतिम वर्ष के सोपान पर पहुंच चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि विधायक मीणा विधानसभा के स्पीकर पैनल में शामिल हैं और लगातार दूसरी बार विधानसभा की जनजाति कल्याण समिति के सभापति भी हैं। साथ ही वह आरएससीईआरटी की गवर्निंग काउंसिल में भी शामिल है। राधास्वामी के अनुयायी एवं बाबाजी गुरिंदर सिंह जी ढिल्लों के शिष्य विधायक मीणा अपनी फिटनेस और ड्रेस कोड के लिए भी लोकप्रिय है। विधायक की शिक्षा में सहयोगी प्राचार्य संजय लुणावत ने बताया कि विधायक मीणा जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्व पूर्ण निष्ठा से निभाते हैं। शिक्षा के प्रति उनका जोश व जुनून अनुकरणीय है। व्यस्तता के बीच क्षेत्र भ्रमण करते हुए कार में, ऑडियो सुनते हुए, नोट्स पढ़ते हुए निरंतर अध्ययन में जुटे रहते हैं। अपनी बेटियों से प्रेरणा पाकर शिक्षा की राह पर अग्रसर हुए विधायक मीणा अब क्षेत्र की बेटियों के लिए शिक्षा के प्रेरणापूंज बने हुए हैं।

कार्यालय नगरपालिका वल्लभनगर, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/214/213 दिनांकः 13.1.26

खुली बोली/वार्षिक दर अनुबंध

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में निम्नांकित कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्मो से 2025-26 के लिए बोली आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखो में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपये)	निविदा प्रपत्र बेचने की दिनांक/समय (रूपये)	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक /समय (दोपहर 12.00 बजे)	निविदा प्रपत्र खोलने की दिनांक/समय (दोपहर 02:00 बजे)	निविदा प्रपत्र खोलने का स्थान
1.	नगरपालिका वल्लभनगर में विभिन्न स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाने का कार्य।	5.00	10000	500	19.1.26 सांय 5:00 बजे तक	20.1.26 दोपहर 12:00 बजे तक	20.1.26 दोपहर 2:00 बजे।	कार्यालय नगरपालिका वल्लभनगर
2.	नगरपालिका वल्लभनगर में विभिन्न स्थानों पर कचरा पात्र लगाने का कार्य।	5.00	10000	500				
3.	नगरपालिका वल्लभनगर में विभिन्न स्थानों पर JCB से सफाई एवं खुदाई कार्य।	5.00	10000	500				
4.	नगरपालिका वल्लभनगर में विभिन्न स्थानों पर रेडीमेंट सिमेन्ट ब्राउण्डी वॉल लगाने का कार्य।	5.00	10000	500				
5.	नगरपालिका वल्लभनगर में आवारा पशुओं को पकड़ने के लिये ट्रोली क्रय करने का कार्य।	5.00	10000	500				
6.	नगरपालिका वल्लभनगर में विभिन्न कार्यक्रम हेतु टेन्ट व्यवस्था कार्य।	5.00	10000	500				
7.	नगरपालिका वल्लभनगर के क्षैत्र के विभिन्न विद्यालयों में गणत्रंत दिवस हेतु अल्पाहार व्यवस्था कार्य।	4.00	8000	500				

UBN N.- DLB2526WSOB30527, DLB2526WSOB30528, DLB2526WSOB30529, DLB2526WSOB30530, DLB2526WSOB30531, DLB2526WSOB30532, DLB2526WSOB30525

नियम व शर्ते :-

1. उक्त सभी कार्यो की बोली सम्बंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय एवंsppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी जा सकती है।
2. निविदा दिवस को अवकाश घोषित किये जाने पर उक्त कार्य दिवस की कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जावेगी एवंRTPP के नियम एवं शर्ते लागू।
3. धरोहर राशि डी.डी./बैंकर्स चैक में ही स्वीकार की जावेगी।

प्रशासक, नगरपालिका वल्लभनगर जिला-उदयपुर — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका वल्लभनगर जिला-उदयपुर

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। - शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नीरज चोपड़ा**

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपडा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

क्या आप जानते हैं ?... साल 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी में महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 624 रन की पार्टनरशिप की थी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली वनडे रैंकिंग में फिर से बने नं. 1

दुबई, 14 जनवरी। शानदार फॉर्म में चल रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली फिर से ताजा आईसीसी पुरुष एकदिवसीय रैंकिंग में पहले पायदान पर पहुंच गये है। आज यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा रैंकिंग में कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भारत की चार विकेट की जीत के बाद आईसीसी पुरुष रैंकिंग में नंबर वन स्थान फिर से हासिल कर लिया है। इस मैच में कोहली के 91 गेंदों में 93 रनों की मदद से मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा किया और वह भारत के महान सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंच गए और ऑल-टाइम मेन्स इंटरनेशनल रन-स्कोरिंग टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया में 50 ओवर की सीरीज के बाद से कोहली शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपनी पिछली पांच पारियों में 74 नाबाद, 135, 102, 65 नाबाद और 93 रन बनाए हैं। 37 साल के कोहली जुलाई 2021 के बाद पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी की हैं। वह 785 रेंटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर है। उन्होंने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी और यह शीर्ष स्थान पर उनका 11वां अलग स्पेल है। अभी तक वह कुल 825 दिनों तक शीर्ष पर रहे हैं। यह किसी भी खिलाड़ी द्वारा 10वीं बार सबसे अधिक और किसी भी भारतीय द्वारा सबसे ज्यादा है। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 775 अंकों के साथ तीसरे , कप्तान शुभमन गिल 725 अंकों के साथ पांचवें। शीर्ष दस में एक अन्य भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 682 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल ने पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रनों की शानदार पारी खेलकर वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर जगह बनाई और वह कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे है। उनका स्कोर 784 है यह उनकी अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। यह ब्लैक कैप्स खिलाड़ी शानदार फॉर्म में है। उसने अपने पिछले पांच वनडे में तीन अर्धशतक और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक शतक भी बनाया है। मिशेल के टीम के साथी डेवोन कॉनवे तीन स्थान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग अपडेट में, मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन की वजह से वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज के साथ 15वें स्थान पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को भी भारत के खिलाफ चार विकेट लेने के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद फायदा हुआ, वह 27 पायदान ऊपर चढ़कर भारत के बॉलर अर्शदीप सिंह के साथ 69वें स्थान पर आ गए हैं।

एशेज सीरीज खत्म होने के बाद कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ताजा टेस्ट रैंकिंग में ऊपर चढ़ गए, जिसमें ट्रैविस हेड को सबसे अधिक फायदा हुआ। वह 853 अंकों के साथ दूसरे। स्टीव स्मिथ 831 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गये है। दोनों बल्लेबाजों को एक-एक पायदान का फायदा हुआ है। इसमें भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 750 अंकों के साथ आठवें तथा कप्तान शुभमन गिल 730 रेटिंग अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ इस बड़ी टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने के बाद सात पायदान ऊपर चढ़कर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस सीरीज में 62.90 की औसत से 629 रन बनाए, जिसमें तीन शतक शामिल थे।

टॉप सीड शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

वेलिंगटन, 14 जनवरी। टॉप सीड बेन शेल्टन ने बुधवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जब उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-5, 6-4 से हराया। शेल्टन, जो लगातार चौथे साल ऑकलैंड में खेल रहे हैं, ने पहले सेट में 5-4 से पीछे रहते हुए तीन सेट पॉइंट बचाए, फिर सर्व ब्रेक किया और मैच पर कंट्रोल कर लिया। दुनिया में आठवें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को दूसरे ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने एक घंटे 42 मिनट में जीत हासिल की। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, "टेनिस बहुत छोटे मार्जिन का खेल है, और कुछ दिन चीजें मेरे पक्ष में नहीं जातीं। आज, ऐसा हुआ, और मैं खुश हूं कि अब मुझे कुछ चीजों में सुधार करने और क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने का मौका मिला है।" शेल्टन का अगला मुकाबला गुरुवार को अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज से होगा, जिन्होंने अपने दूसरे राउंड के मैच में अमेरिकी जेनसन ब्रूक्सबी को 7-5, 6-0 से हराया था। बुधवार को ही, हंगरी के फैबियन मारोजसन ने नॉर्वे के दूसरे सीड कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर अपने 10वें एटीपी टूर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मारोजसन ने मंगलवार को डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस के गाएल मोंफिल्स पर पहले राउंड में जीत हासिल की थी। 39 वर्षीय मोंफिल्स ने पुष्टि की कि वह साल के अंत में रिटायर हो जाएंगे, और मैच के बाद ऑकलैंड के फैंस को अलविदा कहा।

सैफ फुटसल चैम्पियनशिप में भारत को बांग्लादेश ने ड्रॉ पर रोका

नॉनथबुरी (थाईलैंड), 14 जनवरी। भारतीय पुरुष टीम को बुधवार को यहां नॉनथबुरी स्टेडियम में सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश ने रोमांचक 4-4 से ड्रॉ पर रोक दिया। पहले हाफ में अनमोल अधिकारी (12') और लालसावमपुइया (20') के गोल के बाद के रोलुआहपुइया ने फुटसल टाइगर्स के लिए 27वें और 36वें मिनट में दो गोल किए। बांग्लादेश के लिए, मोहम्मद मोइन अहमद (9', 31') और मोहम्मद रहबर वाहेद खान (16', 37') ने दो-दो गोल किए।

केएल राहुल का नाबाद शतक, भारत ने बनाये 284/7

राजकोट 14 जनवरी। के एल राहुल (नाबाद 112) की शतकीय पारी और कप्तान शुभमन गिल (56) के अर्धशतक की बदौलत भारत ने बुधवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 284 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे राहुल ने 92 गेंदों में नाबाद 112 रनों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। राहुल का यह वनडे में आठवां शतक है। राहुल ने रवींद्र जडेजा के साथ 88 गेंदों में 73 रन, नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 49 गेंदों में 57 रन और मोहम्मद सिराज के साथ 16 गेंदों में 28 रन की साझेदारी कर भारत के स्कोर को मजबूती पर पहुंचाया। आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शुभमन गिल और रोहित शर्मा की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 70 जोड़े। 13वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने रोहित शर्मा को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 38 गेंदों में चार चौकों की मदद से 24 रन बनाये। 17वें ओवर में काइल जेमीसन ने शुभमन गिल को आउटकर भारत को बड़ा झटका दिया। शुभमन गिल ने 53 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए (56) रनों की पारी खेली। इसके बाद श्रेयस अय्यर और विराट कोहली को भी क्लार्क ने अपना शिकार बना लिया। विराट ने 29 गेंदों में दो चौकों की मदद से 23 रन बनाये।

राडुकानू और इवा जोविक अंतिम आठ में

होबार्ट, 14 जनवरी। टॉप सीड एम्मा राडुकानू और तीसरी सीड इवा जोविक ने बुधवार को होबार्ट इंटरनेशनल में अपने मैचों में अलग-अलग रास्ते अपनाए, लेकिन दोनों सीधे सेटों में अगले राउंड में सुरक्षित रूप से पहुंच गईं। 2021 यूएस ओपन चैंपियन राडुकानू और कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो का मैच मंगलवार देर रात बारिश के कारण रोक दिया गया था, जिसमें ब्रिटिश खिलाड़ी एक सेट से आगे थी, लेकिन दूसरे सेट में 4-2 से पीछे थी। जब मैच फिर से शुरू हुआ, तो राडुकानू ने वापसी करते हुए सितंबर के बाद अपनी पहली डब्ल्यूटीए टूर जीत हासिल की। उन्होंने ओसोरियो की सर्विस 5-4 पर तोड़कर मैच को निर्णायक सेट में ले गईं, और उसके बाद हुए टाईब्रेक में नौ में से सात पॉइंट जीतकर 6-3, 7-6(2) से जीत हासिल की।

राडुकानू ने मैच के बाद कहा, "इस तरह का मैच जीतने और हारने के बीच बहुत कम अंतर होता है। यह बहुत, बहुत मुश्किल मैच था। हमने सभी परिस्थितियों में खेला और कई बार मैच रुका और फिर शुरू हुआ, यह सच में बहुत मुश्किल था। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने कैसे वापसी की और मैच को पलटा और फिर टाईब्रेक में डटी रही।"

राडुकानू ने 2025 के अपने पिछले तीन मैच हारे थे और ऑफ-सीजन में पैर की चोट से जूझ रही थीं, इससे पहले पिछले हफ्ते यूनाइटेड कप में खेले गए एकमात्र मैच में मारिया सकारी से तीन सेटों में हार गईं। इस बीच, पहले राउंड की जीत में सिर्फ एक गेम गंवाने के बाद, अमेरिकी टीनएजर जोविक ने मैक्सिको की रेनाटा ज़ाराज़ुआ के खिलाफ सिर्फ तीन गेम गंवाए और 6-1, 6-2 से जीत हासिल कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

वर्ल्ड नंबर 30 ने मैच में मिले दोनों ब्रेक पॉइंट बचाए - जो तब आए जब वह पहला सेट सर्व कर रही थीं - और वर्ल्ड नंबर 84 की सर्विस चार बार तोड़कर 2026 में अब तक खेले गए उतने ही इवेंट्स में अपने दूसरे क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। पिछले हफ्ते ऑकलैंड में, वह सेमीफाइनल में पहुंची थीं, लेकिन आखिरकार चैंपियन बनीं एलिना स्वितोलिना से हार गईं।

पी.वी. सिंधु पहले दौर में हारी, प्रणय, श्रीकांत दूसरे राउंड में

नई दिल्ली 14 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने इंडिया ओपन से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा किया था लेकिन वह बुधवार को पहले ही राउंड में वियतनाम की थुई लिन्ह एनगुएन से तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से हार गई।

सिंधु ने इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कम्पलेक्स में यह मुकाबला एक घंटे आठ मिनट में गंवाया। सिंधु का खेल देखने पहुंचे भारतीय दर्शकों को अपनी बैडमिंटन स्टार की हार से भारी निराशा का सामना करना पड़ा।

हालांकि पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और अनुभवी एचएस प्रणय ने अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों को हराकर पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में जगह बनाई, जबकि 16 साल की तन्वी शर्मा ने ओपन 2026 में महिला सिंगल्स के पहले राउंड में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता दिखाई।

32 साल के श्रीकांत ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन तरुण एम को 15-21, 21-6, 21-19 से हराया, जबकि 33 साल के प्रणय ने पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड में पिछले एडिशन के उपविजेता हांगकांग के ली चेउक यिउ को 22-20, 21-18 से हराया। मालविका बंसोड़ बुधवार को दूसरे राउंड में पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय थीं। बाएं हाथ की इस शटलर ने महिला सिंगल्स के पहले राउंड में चीनी ताइपे की पाई यू पो को 21-18, 21-19 से हराया।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा के पास दूसरी वरीयता प्राप्त वांग के खिलाफ मौके थे, लेकिन वह पहले गेम में गेम पॉइंट को भुना नहीं पाईं और फिर निर्णायक गेम में उनकी एनर्जी खत्म हो गई और वह एक घंटे नौ मिनट में 20-22, 21-18, 21-13 से हार गईं। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु भी प्रतियोगिता से बाहर हो गईं, जब वह पहले राउंड में वियतनाम की थुय लिन्ह गुयेन से 20-22, 21-12, 21-15 से हार गईं। लेकिन यह दिन प्रणय और श्रीकांत का था, ये दो अनुभवी खिलाड़ी जो 2025 के मुश्किल साल के बाद बीडब्ल्यूएफ टूर पर वापसी करना चाहते हैं। प्रणय, जो 2025 में ज़्यादातर समय फिटनेस की समस्या से जूझ रहे थे, उन्हें डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 3 एंडर्स एंटोनसन के हटने के बाद योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 में एंट्री मिली और उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए ली को हराया।

वर्ल्ड नंबर 38 ने अपने तेज़ स्मैश और रैली में लंबे समय तक बने रहने की क्षमता पर भरोसा किया, जिससे विरोधी परेशान हो गया। उन्होंने पहले गेम में दो गेम पॉइंट बचाए और फिर अपने डाउन द लाइन स्मैश में काफी दम लगाकर सीधे गेम में जीत हासिल की। अब उनका दूसरे राउंड में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और आठवीं सीड लोह कीन यू से होगा, जिन्होंने चीन के वांग झेंग जिंग को 23-21, 19-21, 21-14 से हराया।

दुनिया के नंबर 3 एंटोनसन ने दिल्ली प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली 14 जनवरी। डेनमार्क के दुनिया के नंबर 3 बैडमिंटन खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने राष्ट्रीय राजधानी में गंभीर "वायु प्रदूषण" को लेकर चिंताओं के कारण लगातार तीसरे साल इंडिया ओपन से नाम वापस ले लिया है। एंटोनसन ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए यह खुलासा किया, जिसमें बताया कि दिल्ली में मौजूदा हवा की क्वालिटी के कारण उन्होंने बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। एंटोनसन ने लिखा, "इस समय दिल्ली में बहुत ज़्यादा प्रदूषण के कारण, मुझे नहीं लगता कि यह बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए सही जगह है।" उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गर्मियों तक हालात बेहतर हो जाएंगे, जब शहर में वर्ल्ड चैंपियनशिप होनी है। डेनमार्क के शटलर ने यह भी बताया कि बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने नाम वापस लेने के लिए उन पर 5,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया है। और कहा कि स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बावजूद उन्हें फिर से सज़ा दी गई है। इंडिया ओपन से नाम वापस लेने के बावजूद, एंटोनसन ने उम्मीद जताई कि साल के आखिर में हालात बेहतर होंगे।

पाकिस्तानी मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ी वीजा क्लीयरेंस के इंतजार में

कोलम्बो, 14 जनवरी। पाकिस्तान मूल के चार अमेरिकी क्रिकेटर अली खान, शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल कोलंबो में भारतीय उच्चायोग में निर्धारित मुलाकातों में शामिल होने के बाद आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को लेकर भारत यात्रा के लिए वीजा क्लीयरेंस का इंतज़ार कर रहे हैं।

ये खिलाड़ी, जो वर्तमान में फरवरी टूर्नामेंट की तैयारी के अंतिम चरण के हिस्से के रूप में यूएसए टीम के साथ श्रीलंका में हैं, ने मंगलवार (13 जनवरी) को अपनी वीज़ा अपॉइंटमेंट पूरी कीं। हालांकि अपॉइंटमेंट के समय वीजा जारी नहीं किए गए, लेकिन यह समझा जाता है कि कोई औपचारिक अस्वीकृति नहीं हुई है, और अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आवेदन स्थापित संचालन प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में समीक्षा के तहत हैं। आईसीसी के सूत्रों के अनुसार, सभी दस्तावेज अपॉइंटमेंट से पहले ठीक उसी तरह जमा किए गए थे जैसा कि आवश्यक था। सूत्र ने कहा, "आज सुबह श्रीलंका में भारतीय दूतावास में उनकी अपॉइंटमेंट थी।

सीजन ओपनर में यूपी डॉमिनेटर्स से भिड़ेगी पंजाब रॉयल्स

नोएडा, 14 जनवरी। भारत की प्रमुख फ्रेंचाइज़ी-आधारित कुश्ती लीग प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्लूएल) गुरुवार, 15 जनवरी 2026 को अपने बहुप्रतीक्षित पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में शुरू हो रहा पीडब्लूएल 2026 छह फ्रेंचाइज़ियों, ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व चैंपियनों और भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा पहलवानों के साथ एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी और रोमांचक सीजन पेश करने के लिए तैयार है। संतुलन, गहराई और अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता पर आधारित यह सीजन लीग के नए और सशक्त स्वरूप को दर्शाता है। जो पेशेवर संचालन, एथलीट-फर्स्ट संरचना और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता पर लीग के नए फोकस की झलक देगा। व्यापक नीलामी प्रक्रिया के बाद, पीडब्लूएल 2026 की टीमें रणनीतिक रोस्टर निर्माण की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाती हैं। फ्रेंचाइज़ियों ने केवल बड़े नामों में ही नहीं, बल्कि ऐसे पहलवानों में निवेश किया है जो प्रत्येक टाई में होने वाले नौ बाउट्स-पांच पुरुष और चार महिला भार वर्ग-में निरंतर प्रदर्शन देने में सक्षम हों। यह सब राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट के तहत होगा।

अनुष्का शर्मा रही मैन ऑफ द मैच

वनस्थली विद्यापीठ में रोमांचक हुई क्रिकेट प्रतियोगिता , महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

निवाई, 14 जनवरी। वनस्थली विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को खेले गए सभी मैच काफी रोमांचक रहे। प्रतियोगिता को लेकर शाकुंतलम मैदान पर पहला मैच आजिंक्य डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय पुणे एवं राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के मध्य खेला गया। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए आजिंक्य डीवाई पाटिल पुणे विश्वविद्यालय की टीम 12 रन पर ऑल आउट हो गई। जीत के लिए 13 रन का लक्ष्य राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने मात्र 0.4 ओवर में 16 रन बनाकर हासिल कर लिया। राजस्थान विश्वविद्यालय ने 10 विकेट से जीत दर्ज की। अनुष्का शर्मा ने 5 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में दूसरा मैच सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी व एसएनडीटी यूनिवर्सिटी मुंबई के मध्य खेला गया। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाए। एसएनडीटी यूनिवर्सिटी मुंबई 88 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी 47 रन के अंतर से मैच को अपने नाम कर लिया। इसी प्रकार लक्ष्मीबाई मैदान में पहला मैच आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी एवं हिमाचल नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी पाटन के मध्य खेला गया। जिसमें पाटन यूनिवर्सिटी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए। जिसे आरटीएम नागपुर यूनिवर्सिटी ने दो विकेट खोकर 93 रन बना कर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। दूसरा मैच देवी अहिल्याबाई यूनिवर्सिटी इंदौर व विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन के बीच खेला गया। देवी अहिल्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 142 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन की टीम 72 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने 69 रन की जीत दर्ज की। इसी प्रकार विदुला मैदान के ठाउंड नंबर 3 पर पहला मैच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर व स्वर्णिम विश्वविद्यालय गुजरात के मध्य खेला गया। जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। उन्होंने दूसरा मैच महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी बीकानेर एवं गुजरात यूनिवर्सिटी नवरंगपुर के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमजीएस यूनिवर्सिटी बीकानेर ने 130 रन का लक्ष्य दिया तथा गुजरात यूनिवर्सिटी नवरंगपुर ने 131 रन का लक्ष्य पूरा करके 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी प्रकार विदुला मैदान के ठाउंड नंबर 4 पर आरएनटी यूनिवर्सिटी भोपाल तथा जीजीटी यूनिवर्सिटी बांसवाड़ा के मध्य खेला गया जिसमें पहले टॉस जीतकर जीजीटी यूनिवर्सिटी बांसवाड़ा की टीम ने पहले बदलेबाजी करने का फैसला लिया और बल्लेबाजी करने उतरी टीम मात्र 30 रन पर ऑल आउट हो गई और आरएनटी यूनिवर्सिटी भोपाल को 31 रनों का लक्ष्य में मिला। जिससे आरएन टी यूनिवर्सिटी ने एक 1.03 ओवर में 34 रन बनाकर मैच जीत लिया। गेंदबाजी में आरएनटी यूनिवर्सिटी की ओर से रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। जहां पल्लवी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में चार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। दूसरा मैच रानी अवंती बाई लोधी यूनिवर्सिटी शोलापुर एवं एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर के मध्य खेला गया। जिसमें शोलापुरा यूनिवर्सिटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए और अजमेर को 172 रन का लक्ष्य दिया। एमडीएस अजमेर 83 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। रानी अवंती बाई लोधी यूनिवर्सिटी की गेंदबाज साक्षी ने 5 विकेट लिए।

टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी में पाक ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा

कराची, 14 जनवरी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज का शेड्यूल कन्फर्म कर दिया है, क्योंकि दोनों टीमें आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी यूनिट को मजबूत कर रही हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के अनुसार, तीन मैच गद्दाफ़ी स्टेडियम में चार दिनों में 29 और 31 जनवरी, और 1 फरवरी 2026 को खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया की टूरिंग टीम 28 जनवरी को लाहौर पहुंचेगी। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए कॉम्बिनेशन को फ़ाइनल करने और भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट से पहले माहौल में ढलने का एक अहम मौका है, क्योंकि दोनों टीमें चोटों से जूझ रही हैं।

खास तौर पर, ऑस्ट्रेलिया के लिए, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और टिम डेविड सभी रिकवरी पीरियड में हैं, जबकि पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी भी बिग बैश लीग में खेलते समय लगी चोट के कारण बाहर हैं।

घरेलू सीरीज के कुछ ही दिनों बाद शुरू होने वाला टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें कई शहरों में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। पाकिस्तान ग्रुप ए में है और अपने मैच श्रीलंका में खेलेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है। पीसीबी के सीओओ सुमैर अहमद सैयद ने इस सीरीज को पाकिस्तान के क्रिकेट फ़ैंस के लिए एक बड़ा इवेंट बताया।

उन्होंने कहा, हम लाहौर में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करने को लेकर उत्साहित हैं और इसका इंतज़ार कर रहे हैं। यह टूर पाकिस्तान क्रिकेट फ़ैंस के लिए साल की एक जबरदस्त शुरुआत है और मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे सीरीज के दौरान बड़ी संख्या में आकर दोनों टीमों का समर्थन करें, क्योंकि वे अपनी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया का यह दौरा मार्च-अप्रैल 2022 में उनके पिछले पूरे दौरे के बाद पाकिस्तान में वापसी है, जिसमें तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 शामिल था। अप्रैल 2022 में गद्दाफ़ी स्टेडियम में हुआ वह अकेला टी 20 मैच ऑस्ट्रेलिया ने बहुत कम अंतर से जीता था, जिसमें मेहमान टीम ने टेस्ट सीरीज भी जीती थी, लेकिन वनडे सीरीज मेज़बान टीम से हार गई थी। पाकिस्तान श्रीलंका में अपनी टी20 सीरीज ड्रॉ करके आ रहा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज में शानदार 4-1 से जीत हासिल की।

डेथ-ओवर्स में राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

राजकोट, 14 जनवरी। वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज़्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं। राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया। भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली।

उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ, उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं - 10 पारियों में 93.8 की औसत और 111.13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है। 2025 से, राहुल ने फुल मेंबर टीमों में ओवर 41 से 50 के बीच सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाए हैं, 140.09 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं। वह एक ऐसी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं जिसमें ग्लेन फिलिप्स (244 रन), जनिथ लियानागे (201), जस्टिन ग्रीव्स (194) और कॉर्बिन बॉश (162) शामिल हैं, जो पारी के आखिर में उनकी बढ़ती अथॉरिटी को दिखाता है। जैसे-जैसे मैच आखिरी दस ओवरों में तय हो रहे हैं, राहुल की शांति और फिनिशिंग क्षमता उन्हें चुपचाप भारत के सबसे वैल्यूएबल वनडे बल्लेबाजों में से एक बना रही है।

कार्ल वाल्थर ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग को अपना पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाया

उल्म (जर्मनी), 14 जनवरी। जर्मनी की बंदूक निर्माता कंपनी कार्ल वाल्थर ने ओलंपिक मेडलिस्ट और पद्म श्री पुरस्कार विजेता गगन नारंग को कंपनी का पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाकर सम्मानित किया है। कार्ल वाल्थर की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब जर्मनी और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक जुड़ाव बढ़ रहा है। हाल की उच्च-स्तरीय बातचीत, जिसमें जर्मन चांसलर की अहमदाबाद यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकें शामिल हैं, ने लंबे समय के सहयोग, टेक्नोलॉजी और मानव संसाधन विकास पर साझा फोकस को उजागर किया है। इस बड़े संदर्भ में, कार्ल वाल्थर की भारतीय निशानेबाजों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता भारत के खेल इकोसिस्टम और उसके एथलीटों की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं में विश्वास को दर्शाती है। इस प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, कार्ल वाल्थर भारतीय निशानेबाजों को बेहतरीन प्रतियोगिता उपकरण, तकनीकी विशेषज्ञता और प्रदर्शन-आधारित इनोवेशन तक पहुंच के माध्यम से समर्थन देना जारी रखेगा, और भारत को अपनी ओलंपिक सफलता को बनाए रखने और आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए एथलीटों, कोचों और संस्थानों के साथ मिलकर काम करेगा। इस अवसर कंपनी के मुख्य कार्यकारी बर्नहार्ड नोबेल ने कहा, गगन नारंग को कार्ल वाल्थर का पहला लाइफटाइम एंबेसडर बनाना हमारी कंपनी के लिए बहुत गर्व का पल है। गगन उन सभी चीजो को रिप्रेजेंट करते हैं जिनके लिए वाल्थर जाना जाता है। सटीकता, ईमानदारी, लचीलापन, और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बिना किसी समझौते के प्रतिबद्ध है। एक एथलीट के तौर पर उनकी उपलब्धियां खुद बोलती हैं, लेकिन जो चीज उन्हें सच में सबसे अलग बनाती है, वह है प्रतियोगिता से परे उनका योगदान - सिस्टम बनाने की उनकी क्षमता, युवा एथलीटों को प्रेरित करना, और भारतीय निशानेबाजी के स्तर को ऊपर उठाना। गगन नारंग ने 14 साल की उम्र में 1997 में निशानेबाजी शुरू की और 2002 में अंतरराष्ट्रीय लेवल पर आए। अपने शानदार करियर में, उन्होंने हर बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते, जिसमें लंदन 2012 ओलंपिक गेम्स में एयर राइफल में कांस्य पदक, म्यूनिख में 2010 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और बैंकॉक में 2008 विश्व कप फाइनल में स्वर्ण पदक शामिल है, जहाँ उन्होंने 600 अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी कई जीत हासिल कीं, जो भारत में बहुत ज़्यादा नेशनल महत्व का इवेंट है। दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी काबिलियत के लिए मशहूर, नारंग 2020 से अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से दूर है।

टीमों के चयन के लिए समिति का गठन

प्रशिक्षण टीम चयन के बाद सूची परिषद को पेश करेंगे

जयपुर, 14 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 (-2026) का आयोजन 20 जनवरी 2026 को जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में किया जायेगा। इसके लिए टीमों की चयन स्पर्धा करवाई जानी है। खेल परिषद द्वारा भी टीम का चयन किया जायेगा, जो खिलाडी चयन स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक है, वे अपने साथ आवश्यक दस्तावेज व किट लेकर आवें। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स के तहत बालक व बालिका वर्ग में आइस हॉकी का आयोजन देहरादून में किया जा रहा है। खेल परिषद के हॉकी प्रषिक्षक हर्षवर्धन सिंह चूंडावत 16 जनवरी को हिमाद्री आइस स्केटिंग एरीना, देहरादून में टीम चयन के लिए सलेक्शन ट्रॉयल का आयोजन करेगें। उन्होने बताया कि टीम चयन के लिए चयन समिति का गठन किया गया है, जिसमें खेल परिषद का प्रतिनिधि, संबंधित खेल संघ का प्रतिनिधि और द्रोणाचार्य, अर्जुन पुरस्कार विजेता और संबंधित खेल के प्रतिष्ठित खिलाडी चयन समिति में शामिल है। टीमों के चयन के बाद संबंधित खेल प्रषिक्षक चयन सूची परिषद को भेजेगें।

मुंबई का असली प्रतिनिधि कौन, ठाकरे बंधु या भाजपा?

इसी सवाल पर केन्द्रित है, बीएमसी चुनाव

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। महाराष्ट्र में मुंबई और अन्य नगर निगम चुनावों के लिए प्रचार समाप्त होने के साथ ही, मुंबई एक बार फिर पहचान और प्रतिनिधित्व को लेकर तीखी राजनीतिक बहस के केन्द्र में आ गई है।

जहाँ शहर की सड़कों पर इसकी बहुलतावादी और बहुसांस्कृतिक पहचान झलकती है, लोहड़ी, पोंगल और उगादी जैसे त्योहार जोशो-खरोश के साथ मनाये जा रहे हैं, वहीं, राजनीतिक चर्चा ने चुनाव को इस सवाल में बदल दिया है कि "असली मुंबईकर" और मराठी मानुस का प्रतिनिधि कौन है। नागरिक मुद्दों पर हावी होती पहचान की राजनीति के चलते, यह मुकाबला भारत के इस सर्वाधिक विविधतापूर्ण महानगर में पहचान पर एक जनमत संग्रह जैसा बन गया है।

मतदान में 48 घंटे से भी कम समय शेष रहने के साथ, मुंबई देश की सबसे अमीर स्थानीय निकाय, "बृहन्मुंबई महानगरपालिका", के नियंत्रण को लेकर एक बेहद अहम राजनीतिक संघर्ष का केन्द्र बन गई है।

■ ठाकरे बंधु और मु.मंत्री फड़नवीस के लिए अस्तित्व का प्रश्न बन गए हैं, बीएमसी चुनाव और दोनों पक्षों ने पूरी ताकत झोंक दी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला भाजपा-नीत महायुति गठबंधन ठाकरे चचेरे भाइयों,उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे,के खिलाफ कडे मुकाबले में है, जबकि पवार परिवार भी इस राजनीतिक रणभूमि में मौजूद है।

राजनीतिक अस्तित्व, मराठी पहचान, हिंदुत्व और शासन- प्रशासन को लेकर तीखे हमलों के बीच मुफ्त सुविधाओं, कल्याणकारी सहायता और नागरिक ढांचे में सुधार के वादे करने वाले घोषणापत्र चर्चा के केन्द्र में आ गए हैं। प्रचार के अंतिम घंटों में अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि मुंबई के इस नागरिक निकाय की तिजोरी की चाबी किसके पास रहे, इसका फैसला पहचान की राजनीति करेगी या सुशासन के वादे।

ऊटी जाते समय मैसुर एयरपोर्ट पर डीके शिवकुमार से मिले राहुल

राहुल ने डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, दोनों से दिल्ली आने को कहा है, ताकि मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाया जा सके। हालांकि, उनकी दिल्ली यात्रा की कोई तारीख अभी तय नहीं हुई है।

मंगलवार को कर्नाटक में मौजूद राहुल गांधी के समक्ष दोनों नेताओं ने इस मुद्दे को उठाया और अटकलों को खत्म करने के लिए हाईकमान की योजनाओं पर स्पष्टता मांगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल में फेरबदल का मुद्दा भी उठाया।

राहुल गांधी मंगलवार को पोंगल से पहले एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तमिलनाडु में ऊटी जाते समय मैसूर पहुँचे थे।

दिल्ली लौटते समय, शिवकुमार उन्हें हवाई अड्डे पर विदा करने पहुँचे। हवाई अड्डे पर शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, और गांधी के बीच हुई बातचीत के विज़ुअल सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज़ हो गई।

शिवकुमार के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार शाम मैसूर हवाई अड्डे पर उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के साथ चर्चा की। यह मीटिंग राहुल गांधी के तमिलनाडु से मैसूर पहुँचने और दिल्ली रवाना होने के बीच हुई।

■ एयरपोर्ट पर हुई इस मुलाकात ने कर्नाटक की राजनीति में हलचल मचा दी है और एक बार फिर से नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई हैं।

शिवकुमार ने मीडिया से कहा, "मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हूँ और वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। हम जो भी चर्चा करते हैं, वह सब कुछ आपको नहीं बता सकते। आप लोग बेवजह यह अटकलें लगाकर मुद्दे बना रहे हैं कि क्या बात हुई। उनकी ओर से कोई संदेश नहीं था। उन्होंने हमें अच्छा काम करने को कहा। हमने उन्हें मनरेगा और इसे आगे ले जाने की हमारी योजना के बारे में बताया।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ऐसी अफ़वाहें जोरों पर हैं कि कांग्रेस हाईकमान संक्रांति के बाद नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा के लिए दोनों नेताओं को दिल्ली बुला सकता है।

इस बीच, सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा कि पार्टी में कोई उलझन नहीं है। उन्होंने कहा, कौन-सी अटकलें? ये सिर्फ मीडिया की अटकलें हैं। आप ही लोग अटकलें पैदा कर रहे हैं। ऐसे सवाल उठाना ही निराधार है। पार्टी में परेशानी कहाँ है? ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं है।"

लेकिन सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री का खेमा इन घटनाक्रमों पर बारीक नज़र बनाए हुए है।

यह सारी खींचतान 2023 के चुनाव परिणाम के समय से चली आ रही है, जिसमें कांग्रेस ने ज़बरदस्त जीत दर्ज की थी।

उस समय राज्य में कांग्रेस की जीत में अहम भूमिका निभाने के कारण शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। अंततः कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें उपमुख्यमंत्री और राज्य पार्टी अध्यक्ष पद स्वीकार करने के लिए राजी कर लिया। उस समय कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया था कि रोटेशनल मुख्यमंत्री व्यवस्था पर सहमति बनी है, लेकिन इसकी कभी पुष्टि नहीं हुई।

प्र.मंत्री मोदी आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तंत्र में काम करने वाले लोगों के परस्पर संवाद के तरीके को बदलने और पुराने भवन के साथ जुड़ी औपचारिकताओं की परतों को कम करने के लिए बनाया गया है।

जहाँ साउथ ब्लॉक में औपनिवेशिक स्थापत्यकला की छाप थी, वहीं सेवा तीर्थ में आधुनिक डिज़ाइन एवं भारतीय सभ्यतागत तत्वों का संगम है।

इसके आंतरिक हिस्सों में भारत की विरासत से प्रेरित सांस्कृतिक चित्र दिखाई देते हैं, लेकिन सारे डिज़ाइन में ज्यादा तामझाम नहीं है और सुगम कार्य व्यवस्था को तवज्जो दी गई है।

प्रधानमंत्री के निजी और औपचारिक बैठक कक्षों को इस तरह पुन:डिज़ाइन किया गया है कि वे विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों की मेज़बानी परंपरा और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के संगम वाले परिवेश में कर सकें।

फतहपुर में ट्रक-कार भिड़ंत में एक परिवार की 6 महिलाओं की मौत

वे लक्ष्मणगढ़ में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लौट रही थीं

सीकर, 14 जनवरी (निसं)। सीकर में ट्रक और कार की भीषण भिड़ंत में छह महिलाओं की मौत हो गई तथा तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। हादसा जयपुर-बीकानेर हाईवे पर फतेहपुर के हरसवा गांव के पास बुधवार शाम चार बजे हुआ। हादसे में अर्टिगा कार चकनाचूर हो गई। कार में सवार लोग उसमें फंस गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने शव और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। किन्तु हालत गंभीर होने के कारण, उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कार में सवार लोग अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे

डीएसपी अरविंद कुमार जाट ने बताया कि फतेहपुर सदर थाना क्षेत्र में अर्टिगा कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। मोड़ पर कार कंट्रोल नहीं हो सकी और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से रास्ते से हटाकर ट्रैफिक को सुचारू करवाया गया। थाना अधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि अर्टिगा कार में सवार लोग लक्ष्मणगढ़ (सीकर) से फतेहपुर अपने घर लौट रहे थे। ट्रक सीकर की ओर जा रहा था। हादसे में संतोष पत्नी सत्यनारायण, तुलसी देवी पत्नी ललित, मोहनी देवी पत्नी महेश कुमार, इंद्रा पुत्री महेश कुमार, आशा पत्नी मुरारी और चंदा पत्नी सुरेन्द्र की मौत हो गई। घायल सोनू, वसीम और बरखा को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया है। मृतकों के परिवार के सदस्य ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ में रहने वाली हमारी बुआ का निधन हो गया था। परिवार के लोग सुबह 11 बजे पांच गाड़ियों में सवार होकर उनके अंतिम संस्कार में गए थे। दोपहर 3ऑ :30 बजे परिवार के सभी लोग वहाँ से निकले थे। इस दौरान अर्टिगा कार का एक्सीडेंट हो गया।

■ जयपुर-बीकानेर हाईवे पर अर्टिका कार चकनाचूर हो गई।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति के इस दौरे से आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के साथ-साथ राजस्थान के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

अब 55 देशों में वीज़ा के बिना एंट्री मिलेगी भारतीयों को

नई दिल्ली, 14 जनवरी। हेनली एंड पार्टनर्स द्वारा जारी 2026 की नवीनतम पासपोर्ट रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट ने उल्लेखनीय सुधार दिखाया है और पिछले एक साल में भारत ने अपनी स्थिति में 5 स्थानों का सुधार करते हुए 85वें स्थान से 80वें स्थान पर छलांग लगाई है। यह प्रगति भारतीय नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा के अवसरों में वृद्धि का संकेत देती है, हालांकि वीजा-फ्री एक्सेस वाले देशों की संख्या में मामूली कमी आई है।

■ भारत अब 85वें से 80वें स्थान पर आ गया है।

■ अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप पर सिंगापुर हैं तथा दूसरा स्थान जापान व दक्षिण कोरिया का है।

वर्ष 2026 की रैंकिंग के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट धारक अब दुनिया भर के 55 देशों में बिना पूर्व वीजा के या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। वर्ष 2025 में, भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर था और 57 देशों में वीज़ा-फ्री पहुंच प्रदान करता था। 2024 में भी भारत की रैंक 80 थी, जिसका अर्थ है कि 2025 में गिरावट के बाद 2026 में फिर से सुधार देखने को मिला है। हालांकि, वीज़ा-फ्री यात्रा वाले देशों की संख्या में 2 देशों की कमी आई है, जो एक महत्वपूर्ण पहलू है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में सिंगापुर ने लगातार दूसरे साल अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट है, जो अपने धारकों, को 227 में से 192 देशों में वीजा-फ्री एंट्री की अनुमति देता है। यह सिंगापुर के मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति का प्रमाण है। जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

रैंकिंग के निचले सिरे पर, अफगानिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट बना हुआ है, जो सूची में सबसे नीचे 101वें स्थान पर है।

आईएनएसवी कौडिन्य जहाज मस्कट पहुँचा

मस्कट, 14 जनवरी। भारतीय नौसेना के प्राचीन पाल विधि से निर्मित जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य ने ऐतिहासिक 18 दिनों की यात्रा पूरी कर ली है। यह जहाज 29 दिसंबर 2025 को गुजरात के पोरबंदर से रवाना हुआ था और बुधवार को ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गया। यह यात्रा भारत की प्राचीन समुद्री परंपराओं को जीवंत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों का सम्मेलन आज

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां संसद भवन परिसर के संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री सभा को संबोधित भी करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे और इसमें दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के 42 राष्ट्रमंडल देशों और 4 अर्ध-स्वायत्त संसदों के 61 स्पीकर और पीठासीन अधिकारी शामिल होंगे। यह सम्मेलन कई समकालीन संसदीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगा, जिसमें मजबूत लोकतांत्रिक संस्थानों को बनाए रखने में स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका, संसदीय कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग, सांसदों पर सोशल मीडिया का प्रभाव, संसद के बारे में जनता की समझ बढ़ाने के लिए नई रणनीतियाँ और मतदान से परे नागरिकों की भागीदारी, जैसे विषय शामिल हैं।

■ सम्मलेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

भारतीयों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359 पर संपर्क कर सकते हैं। भारतीय दूतावास से ई मेल ... पर भी संपर्क कर सकते हैं। दूतावास ने सभी नागरिकों को बिना देरी के दूतावास में पंजीकरण कराने की सलाह दी है।

चीन ने 2025 में 1.2 ट्रिलियन डॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को काबू में किया जा सके। लेकिन ट्रम्प की योजना के मुताबिक कुछ भी काम होता नहीं दिख रहा है।

यह सही है कि चीनी कस्टम्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को होने वाला चीन का निर्यात लगभग 20 प्रतिशत घटा है। लेकिन इसके साथ ही यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे कई दूसरे देशों को उसका निर्यात बढ़ गया है, खास तौर पर इलेक्ट्रिक कारों और तकनीक आधारित उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ा है।

इस हफ्ते बीजिंग में चीनी व्यापार अधिकारियों की ब्रीफिंग के अनुसार, हाई-टेक वस्तुओं, जिनमें उन्नत मशीन टूल्स और औद्योगिक रोबोट शामिल हैं, का निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों, लीथियम बैटरियों और फोटोवोल्टाइक उत्पादों (जैसे सोलर पैनल) का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़ा है।

चीनी सफलता का मूल मंत्र यह है कि अपने उत्पाद किसी भी कीमत पर दुनिया भर के बाजारों में उतारो। चीनी निर्माता लागत के आधार पर कीमत तय नहीं करते, बल्कि इस आधार पर कीमत रखते हैं कि सामान बिक सके। यह क्लासिक मर्केंटिलिस्ट सिद्धांत है, जो काम कर रहा है।

मर्केंटिलिस्ट विचारक देश की आर्थिक नीति में बेहद कठोर रुख के लिए जाने जाते थे। इसे "अपने पड़ोसी को कमजोर करो" जैसी रणनीति कहा जा सकता है।

जब से चीन ने उस समय अमेरिकियों की मदद से ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम में एंट्री की है, तब से चीन ने लगातार मुक्त बाजार व्यवस्था (फ्री मार्केट इकॉनमी) का पूरा फायदा उठाया। लेकिन उसके अपने काम करने के तरीके बने रहे। चीनी निर्माताओं के लिए मुनाफा उतना जरूरी नहीं होता, जितना कि बिक्री और बड़े पैमाने पर उत्पादन।

लगभग दो दशक पहले इस संवाददाता ने चीन जाकर वहां के उद्योगों को नजदीक से देखा था। उस समय चीन का निर्यात आज जितना हर जगह मौजूद नहीं था, लेकिन उसकी नींव रखी जा रही थी।

■ अपना माल विश्व भर में पहुँचाने के बाद चीन ने "रेअर अर्थ" खनिज को परिष्कृत करने की टैक्नॉलजी पर ध्यान लगाया। वर्षों बाद इस टैक्नॉलजी पर चीन का आधिपत्य व एकाधिकार हो गया है।

■ पर, चीन की इस औद्योगिक नीति में एक कमी है, वह निर्यात पर आधारित है। अतः चीन की "डॉमैस्टिक डिमांड" बहुत कम है।

चीनी औद्योगिक प्रबंधकों से बातचीत में पता चला कि जिला और प्रांतीय प्रशासन निर्यात के वादों के आधार पर उद्योगों को जमीन देते थे। बैंकों के ब्याज दर भी इस तरह तय होते थे कि उत्पाद विदेशों में बिक सकें। अगर कोई इकाई अपने निर्यात वादों को पूरा नहीं करती थी तो उस पर सख्त सवाल और सुधारात्मक कदम उठाए जाते थे।

डब्ल्यूटीओ में प्रवेश से चीनी उद्योगों को "मोस्ट फेवर्ड नेशन" का दर्जा मिला और उन्हें न्यूनतम टैरिफ का लाभ मिला। लेकिन चीन ने अपने बाजार में विदेशों से आने वाले उत्पादों पर कई तरह के बैन लगा रखे थे, जैसे - कुछ खास सामान के लिए तय बंदरगाह, हर आयातित वस्तु पर चीनी भाषा में लेबल की अनिवार्यता और चीनी मानकों का पालन।

आज चीन ने ऐसी आपूर्ति शृंखलाएं और उद्योग विकसित कर लिए हैं, जो उसके व्यापार साझेदारों की कमजोरियों का पूरा फायदा उठाते हैं। उदाहरण के लिए भारत की दवा इंडस्ट्री को देखें, जो दवाओं के कच्चे माल, यानी एपीआई के लिए चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर है।

चीन ने दुर्लभ खनिजों के उत्पादन में भी जबरदस्त दूरदर्शिता दिखाई है। ये खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उपकरणों से लेकर कार बैटरियों तक में जरूरी होते हैं। इनका उत्पादन चीन ने दशकों तक अपने पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाकर बढ़ाया है।

इसमें कोई शक नहीं कि भारी कीमत चुकाकर, चीन अब दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की सप्लाई पर इतना मजबूत कब्जा करने में कामयाब हो गया है कि ट्रंप से टैरिफ युद्ध के दौरान, चीन अमेरिका के हाथ मरोड़ने की ताकत रखता था। चीन ने खनिजों की आपूर्ति पर पूरी तरह रोक लगाने की घोषणा कर दी, जिससे ट्रम्प को झुककर कम टैरिफ के साथ बातचीत के लिए वापस आना पड़ा।

समय-समय पर चीन उन देशों को भी आपूर्ति पर नियंत्रण लगाने की कोशिश करता है, जो उसके आर्थिक हितों के खिलाफ जाते हैं। उदाहरण के लिए, चीन ने भारत को रेयर अर्थ मिनरल्स वाले प्रॉडक्ट्स के एक्स्पोर्ट पर भी इसी तरह की रोक लगाई थी, इस शर्त पर कि इन प्रॉडक्ट्स या इनपुट्स का इस्तेमाल करने वाले प्रॉडक्ट्स को यू.एस. सहित दूसरे देशों में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। यह विशाल व्यापार प्रदर्शन तब तक अच्छा है, जब तक चलता है, लेकिन यह चीन की नीति की गहरी कमजोरियों को भी उजागर करता है। चीन अब अपने सामान को विदेशों में बेचने पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है। उसकी उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं ज्यादा है।

घरेलू मांग कमजोर है और बड़े पैमाने पर बने मकान बिक नहीं पा रहे हैं। कई शहरों में अधूरे और खाली मकानों की भरमार है, जिन्हें 'घोस्ट टाउन' कहा जा रहा है। इनसे मकानों के दाम गिर रहे हैं और जिन लोगों ने इसमें निवेश किया है, उनकी संपत्ति का मूल्य घट रहा है। कुल मिलाकर घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है। चीन के आक्रामक निर्यात से उसके व्यापार साझेदार डर रहे हैं और भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। हर चमकती चीज हमेशा सोना नहीं होती।

राजनीतिक लाभ ...

■ वरिष्ठ कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी गत 3 जनवरी से पंचायत समितियों को तोड़कर गुड़ामलानी व धोरीमन्ना को बालोतरा जिले में शामिल करने के खिलाफ धरना दे रहे थे। उनके समर्थन में आयोजित आक्रोश रैली में पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा व विधायक दल के नेता टीका राम जूली ने भी भाग लिया।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधानसभा क्षेत्र गुड़ामालानी की पंचायत समितियों को तोड़कर गुड़ामालानी व धोरीमन्ना को बालोतरा जिले में शामिल करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व राजस्व मंत्री हेमाराम चौधरी के नेतृत्व में 3 जनवरी से धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर धरना दिया जा रहा है। बुधवार को हेमाराम चौधरी द्वारा दिये जा रहे धरने का समर्थन करने एवं जन आकोश रैली के आगाज पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, रूपाराम धनदे, जैसलमेर, सांचौर के सुखराम बिश्नोई, पोकरण के साले मोहम्मद, विधायक हरीश चौधरी,पदमाराम मेघवाल, फतह खान, गफूर अहमद,रतन देवासी, सिमरजीत सिंह सहित कई जनों ने भाग लिया।

कांग्रेसजनों ने भारी संख्या में भीड़ के साथ उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन दिया। वरिष्ठ नेताओं की ओर से हेमाराम चौधरी को धरना समाप्त करने की बात कहने पर हेमाराम चौधरी ने कहा कि यह धरना मेरा नहीं था, पूरी क्षेत्र की जनता का है, उन सभी की बात सुनकर धरना समाप्त किया जाएगा।

सऊदी-अरब-पाकिस्तान-टर्की एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा, यह पाकिस्तान को ऐसे समय में रक्षा कवच दे सकता है, जब भारत-पाकिस्तान तनाव बना हुआ है। इस व्यवस्था को किसी एकल संधि के रूप में नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

व्यापक स्तर पर, सऊदी अरब-पाकिस्तान-तुर्की की यह बातचीत रणनीतिक परिवर्तन के दौर से गुजरती दुनिया को दर्शाती है। जैसे-जैसे अमेरिका की सुरक्षा गारंटियाँ अधिक चयनात्मक हो रही हैं और इज़रायल व अमेरिकी हितों पर केन्द्रित हो रही हैं, वैसे-वैसे मध्यम दर्जे की शक्तियाँ वैकल्पिक या समानांतर सुरक्षा व्यवस्थाओं की तलाश कर रही हैं। सऊदी अरब के लिए यह वॉशिंगटन पर निर्भरता से आगे बढ़ने और विविधता लाने का प्रयास है। तुर्की के लिए यह राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन की इस्लामी दुनिया में अंकारा के प्रभाव का विस्तार करने की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है। पाकिस्तान के लिए इसके पक्ष में दलील ज्यादा तत्कालिक है, इससे उसे कूटनीतिक अलगाव से निकलने और भारत के साथ बार-बार हुए सैन्य टकरावों के बाद प्रतिरोधक क्षमता को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

भारत की मुख्य चिंता इस उभरते त्रिकोण में पाकिस्तान की स्थिति को लेकर है। इस्लामाबाद पहले से ही चीन के मजबूत रणनीतिक समर्थन का लाभ पा रहा है। अब सऊदी अरब और तर्की के जुड़ने से एक राजनीतिक और सैन्य क्षमता बढ़ जाती है, जो संकट के समय पाकिस्तान को अधिक आत्मविश्वासी बना सकता है। भले ही ये वार्ताएँ किसी बाध्यकारी पारस्परिक रक्षा संधि तक न पहुँचें, लेकिन नाटो-शैली की भाषा, जहाँ "किसी भी हमले" पर सामूहिक प्रतिक्रिया की बात होती है, का प्रयोग अपने आप में स्पष्ट प्रतिरोधक मूल्य रखता है।

■ भारत की सामरिक रणनीति अब तीव्र गति से, सीमित दंडात्मक कार्यवाही पर निर्भर है, जैसा कि 2019 के बालाकोट हवाई हमले व मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में देखा गया था। पर, "इस्लामिक नाटो" के नए घटनाक्रम ने भारत-पाक संघर्षों में एक अनिश्चितता का तत्व मिला दिया है, जिससे अब यह कहना, कि भविष्य में भारत-पाक युद्ध द्विपक्षीय मामले रहेंगे, मुश्किल है।

यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत का सैन्य सिद्धांत अब परमाणु हमले से कुछ नीचे, किंतु तेज़, सीमित और दंडात्मक कार्रवाई पर अधिक निर्भर करता है, जैसा कि 2019 के बालाकोट हवाई हमलों और मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में देखा गया। कोई भी ऐसा ढाँचा, जो इस अनिश्चितता को बढ़ा दे कि भविष्य का भारत-पाकिस्तान टकराव पूरी तरह द्विपक्षीय ही रहेगा या नहीं, भारत की आक्रामक गणना को जटिल बनाता है और कार्रवाई की कूटनीतिक लागत को भी बढ़ाता है।

तुर्की की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। तुर्की, कश्मीर जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में बयानबाज़ी ही नहीं कर रहा है, वह नाटो का दीर्घकालिक सदस्य है, जिसके पास उन्नत और तेज़ी से बढ़ता रक्षा उद्योग, ड्रोन युद्ध का व्यापक अनुभव और वैश्विक हथियार आपूर्तिकर्ता बनने की महत्वाकांक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तुर्की का खुला राजनीतिक समर्थन था और खबर है कि वह उसे सैन्य समर्थन भी दे रहा था और भारत के साथ टकराव की स्थिति और नाटो के दृष्टिकोण से असहज रूप से तुर्की को इस्लामाबाद के करीब ले आई हैं।

यदि तुर्की पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था में संरचनात्मक रूप से जुड़ जाता है, तो पाकिस्तान की सैन्य क्षमता में लगातार वृद्धि होगी, ड्रोन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म से लेकर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तक, और संभवतः तुर्की के पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कान तक पाकिस्तान की अगली पीढ़ी पहुँच बढ़ जाएगी। दक्षिण एशिया के सूक्ष्म रूप से संतुलित सैन्य वातावरण में, ऐसे छोटे-छोटे बदलाव भी रणनीतिक रूप से बड़े प्रभाव डाल सकते हैं।

सऊदी अरब की भूमिका अपेक्षाकृत शांत है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण भी है। रियाद ने परंपरागत रूप से पाकिस्तान के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को भारत के साथ लगातार गहराते आर्थिक और रणनीतिक साझेपन के साथ संतुलित किया है। हालांकि, पाकिस्तान की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखने वाली किसी सुरक्षा व्यवस्था को समर्थन देना सऊदी-पाकिस्तान संबंधों के आंशिक स्तर पर पुनः राजनीतिकरण का संकेत हो सकता है। फिर भी, यह संभावना कम है कि रियाद भारत के साथ एक बड़े ऊर्जा खरीदार और निवेश स्थल के रूप में बढ़ते संबंध को खतरे में डाले। सऊदी भागीदारी संभवतः भारत का सामना करने की किसी मंशा से अधिक, ईरान को लेकर चिंताओं और अमेरिका की आंशिक वापसी से प्रेरित है।

फिर भी, संकट के समय धारणाएँ मायने रखती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता स्वयं पाकिस्तान के लिए एक संपत्ति हो सकती है, जो भारतीय योजनाकारों को बाहरी कूटनीतिक दबाव, खुफिया जानकारी साझा करने, हथियारों की आपूर्ति या यहाँ तक कि सीमित नौसैनिक समन्वय की संभावना पर विचार करने के लिए मजबूर कर दे।

इस पैक्ट का समय भी महत्वपूर्ण है। ये वार्ताएँ ऑपरेशन सिंदूर के बाद हो रही हैं, जिसके बाद पाकिस्तान के पास प्रतिरोध को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का पूरा प्रोत्साहन है, केवल चीन के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रभावशाली मुस्लिम शक्तियों को साथ जोड़कर, जो एक कथानक गढ़ सकें और भारत के कूटनीतिक दायरे को जटिल बना दें। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच पहली त्रिपक्षीय नौसैनिक बैठक भी अरब सागर और पश्चिमी हिंद महासागर में एक समुद्री आयाम जोड़ती है, ये क्षेत्र भारत के व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

पर भारत को ध्यान में रखना होगा कि यह नाटो नहीं है, और घबराहट से बचना होगा। इन तीनों देशों के हित अलग-अलग हैं, आंतरिक सीमाएँ हैं और कोई साझा कमांड संरचना नहीं है। फिर भी, प्रवृत्ति स्पष्ट है। भारत के लिए यह लाल बत्ती नहीं, बल्कि पीली बत्ती है, जो संकेत देती है कि पाकिस्तान के साथ भविष्य के संकट अधिक भीड़भाड़ वाले, अधिक राजनीतिक और तकनीकी रूप से अधिक जटिल रणनीतिक वातावरण में सामने आ सकते हैं।

एस.एम.एस. अस्पताल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतिम निर्णय में यह कहा कि अभ्यर्थी डॉक्टरी करने के लिए समर्थ नहीं है, और उसकी दिव्यांगता प्रतिशत अधिक है। यह मेडिकल रिपोर्ट एस.एम.एस. अस्पताल के डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड द्वारा नीट यूजी के एडमिशन व काउंसलिंग बोर्ड को दी गई थी, जिसमें 23 सितम्बर, 2025 को रमन खण्डेलवाल की दावेदारी इस रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दी गई।

रमन खण्डेलवाल ने इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पुनः अपनी दिव्यांगता का प्रतिशत तय करने के लिए मेडिकल टैस्ट की गुहार की थी। उनका कहना था कि परीक्षा में भाग लेने से पूर्व उनकी दिव्यांगता, एक हाथ न होने की वजह से, 55 प्रतिशत आंकी गई थी, जो नियमानुसार उनकी उम्मीदवारी को रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस मामले में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हिमांशु जैन ने भी अदालत को सुनवाई के दौरान कहा था कि एस.एम.एस. अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट अवैज्ञानिक और अनियमित तरीके से बनाई जा रही है। अदालत ने 24 सितम्बर को ही पुनः मेडिकल जांच करने के आदेश दिए थे, परन्तु एस.एम.एस. के मेडिकल बोर्ड ने रमन खण्डेलवाल की "लोको मोटर डिसेबिलिटी" को अधिक बताते हुए उनकी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया।

■ याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हिमांशु जैन ने भी अदालत को सुनवाई के दौरान कहा था कि एस.एम.एस. अस्पताल में मेडिकल रिपोर्ट अवैज्ञानिक और अनियमित तरीके से बनाई जा रही है।

तत्पश्चात रमन खण्डेलवाल ने हाई कोर्ट की खण्डपीठ के समक्ष अपील दायर की थी, जिसके आदेश अनुसार, दिल्ली सफदर जंग अस्पताल में डिसेबिलिटी मेडिकल बोर्ड द्वारा उनकी पुनः जांच की गई और 9 दिसम्बर, 2025 को जारी रिपोर्ट में उन्हें डाक्टरी पढ़ने और अभ्यास करने के लिए सक्षम पाया गया।

इस रिपोर्ट के आधार पर कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश मिश्रा और संगीता शर्मा ने 19 दिसम्बर को आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को डॉक्टरी पढ़ने और नीट यूजी में उत्तीर्ण होने के बाद मैडिकल कॉलेज में दाखिला देने से वंचित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही, अदालत ने हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए उपयुक्त पाया।

हैरानी की बात है कि हाई कोर्ट की खण्डपीठ के आदेश के बावजूद, याचिकाकर्ता को अभी तक भी मेडिकल कॉलेज में एडमीशन नहीं मिला है। हाईकोर्ट की खण्ड पीठ के आदेश की अवमानना के कारण रमन खण्डेलवाल ने याचिका दायर की है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, नीट यूजी एडमिशन और काउन्सलिंग बोर्ड के अध्यक्ष व अन्य को पक्षकार बनाया है, और इस मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश सुदेश बंसल और संजीव तनेजा की खण्डपीठ में नीट यूजी मेडिकल काउन्सलिंग बोर्ड के अध्यक्ष को अगली तारीख पर अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। इस मामले की अगली तारीख 22 जनवरी है।

यह प्रकरण चौंकाने वाला इसलिए भी है, क्योंकि पिछले वर्ष भी एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के डिसेबिलिटी बोर्ड की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए एक खोज- खबर की गई थी, जिसमें आर.ए.एस. भर्ती परीक्षा के एक अभ्यर्थी की मूक-बधिर की दिव्यांगता प्रतिशत को कम बताते हुए उसे दिव्यांगजनों के लिए आवंटित आरक्षण से वंचित रखा गया था। बाद में हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, एम्स मेडिकल कॉलेज जोधपुर से उस अभ्यर्थी की दिव्यांगता प्रतिशत की पुनः जांच कराई गई तो उसे आरक्षण का लाभ पाने के लिए उपयुक्त पाया गया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908